तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 35 अंक 338 | कोरबा, शनिवार, दिनांक 07 सितम्बर 2024 डाक 08 सितम्बर 2024 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
योगी आदित्यनाथ गोरखपुर जिले में नवनिर्मित विश्व के पहले जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान एक तस्वीर लेते हुए.....

देश-विदेश
बिजली विभाग का नया फरमान, पुराने मीटरों को तोड़कर की जाएगी नीलामी

फीचर पेज
गाजर खाने के एक नहीं कई हैं फायदे जान लेंगे तो हो जाएंगे हैरान

बागेश्वर धाम से लौट रहे श्रद्धालुओं का वाहन ट्रक में पीछे से भिड़ा, चार की मौत, छह घायल

विदिशा, 07 सितम्बर [एजेंसी]।

जिले के लटेरी क्षेत्र में शनिवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हो गया। श्रद्धालुओं से भरी एक ईको मारुति वैन चलते ट्रक में पीछे से भिड़ गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और 6 लोग घायल हो गए। घायलों को लटेरी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी लोग राजस्थान के झालावाड़ जिले के रहने वाले हैं।

लटेरी एसडीओपी अजय मिश्रा ने बताया कि हादसा शनिवार तड़के करीब 4 बजे सिरोंज नेशनल हाईवे पर हुआ। वाहन में 10 लोग बैठे हुए थे। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि ट्रक जैसे ही मोड़ से हाइवे पर निकला पीछे से तेज रफ्तार में आ रही ईको मारुति उसमें पीछे से टकरा गई। इस हादसे में दो महिला और

दो पुरुष की मौत हुई है। मृतकों की पहचान किशन लाल, वरदी बाई, राजू बाई और विनोद कुमार के रूप में हुई है।

ज्यादातर लोग झालावाड़ के रतलाई थाना क्षेत्र के रतलाई गांव के निवासी हैं। सभी लोग छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम में दर्शन करने गए थे और 12 दिन बाद अपने घर वापस जा रहे थे तभी यह हादसा हुआ।

टक्कर इतनी भीषण थी कि श्रद्धालुओं का वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इधर पुलिस ने ट्रक को भी जब्त कर लिया है। इस हादसे पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि जिला प्रशासन द्वारा घायलों के उचित इलाज की व्यवस्था कराई जा रही है। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से पात्रता अनुसार उचित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

इस साजिश की पूरी स्क्रिप्ट हुड्डा ने लिखी, विनेश-बजरंग के कांग्रेस में शामिल होने पर भड़के बृजभूषण सिंह

नईदिल्ली, 07 सितम्बर [एजेंसी]।

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के कांग्रेस में शामिल होने पर बीजेपी नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने तीखा हमला बोला है। पूर्व WFI अध्यक्ष और भाजपा नेता बृज भूषण शरण सिंह ने कहा, 18 जनवरी 2023 में जब जंतर-मंतर पर धरना प्रारंभ हुआ था। उसी दिन मैंने पहले दिन कहा था कि यह खिलाड़ियों का आंदोलन नहीं है, इसके पीछे कांग्रेस है। विशेषकर भूपेंद्र हुड्डा , प्रियंका गांधी, राहुल गांधी। आज यह बात सच साबित हुई कि इस पूरे आंदोलन में जो हमारे खिलाफ षड्यंत्र के तहत किया गया उसमें कांग्रेस शामिल थी और इसका नेतृत्व भूपेंद्र हुड्डा कर रहे थे। कांग्रेस में शामिल होने से पहले विनेश फोगाट ने रेलवे की नौकरी से इस्तीफा दे दिया था।

इसकी जानकारी उन्होंने सुबह ही एक्स पर दी थी। इससे पहले दोनों पहलवानों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उनके आवास पर मुलाकात की थी। वहां से दोनों कांग्रेस मुख्यालय पुहंचे। जहां कांग्रेस महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। आपको जानकारी के लिए बता दें कि विनेश को जुलाना विधानसभा सीट से कांग्रेस ने उम्मीदवार बनाया है। जो चरखी दादरी जिला में आता है। ये सीट जाट बाहुल्य है।

शराब नीति में बदलाव केजरीवाल के इशारे पर हुआ रिश्वत मांगी, नई सप्लीमेंट्री चार्जशीट में कई आरोप

नईदिल्ली, 07 सितम्बर [एजेंसी]।

दिल्ली कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े सीबीआई भ्रष्टाचार मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। इस मामले में सीबीआई की ओर से दायर पूरक आरोपपत्र में खुलासा हुआ है कि जब शराब नीति बनाने की शुरुआत हुई तो तभी से अरविंद केजरीवाल इसमें शामिल थे। शराब नीति के निर्माण और इसमें बदलाव के लिए आपराधिक साजिश में शामिल थे।

इस मामले में पांचवीं और अंतिम चार्जशीट दाखिल करने के साथ अपनी जांच पूरी करते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरोप लगाया है कि केजरीवाल के पास पहले से ही आबकारी नीति का निजीकरण करने का पूर्व-निर्धारित विचार था। जिसे भ्रष्टाचार के आरोपों के सामने आने के बाद रद्द कर दिया गया।

रॉकेट हमले के बाद सुरक्षा बल अलर्ट, उग्रवादियों के तीन बंकर तबाह किए, तलाशी अभियान जारी

इंफाल, 07 सितम्बर [एजेंसी]।

मणिपुर में उग्रवादियों के रॉकेट और ड्रोन्स से हमले के बाद पुलिस और सुरक्षा बल अलर्ट पर हैं। पुलिस ने बताया है कि सुरक्षा बलों ने चुराचांदपुर जिले में उग्रवादियों के तीन बंकर्स को नष्ट किया है। सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, उग्रवादियों ने बिष्णुपुर जिले सटे इलाकों में रॉकेट हमला किया था। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और छह लोग घायल हो गए थे। सुरक्षाबलों ने चुराचांदपुर जिले के मुआलसांग गांव में दो बंकर और चुराचांदपुर के लाइका मुआलसौ गांव में एक बंकर नष्ट कर दिया गया। उग्रवादियों ने बिष्णुपुर जिले के दो स्थानों पर नागरिक आबादी में रॉकेट दागे थे, जिनमें से एक वरिष्ठ नागरिक की मौत हो गई और छह अन्य नागरिक घायल हो गए। इसके बाद पुलिस टीमों और अतिरिक्त सुरक्षा बलों ने आसपास की पहाड़ियों में तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने कहा है कि हवाई गश्त के लिए एक सैन्य हेलीकॉप्टर भी तैनात किया गया है। कानून और व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने के लिए उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठकें की गई हैं।अधिकारी हालात पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और पुलिस किसी भी आकस्मिक स्थिति का जवाब देने के लिए तैयार है। पिछले कुछ दिनों में हुए हमलों के बाद इंफाल घाटी में तनाव पैदा हो गया है। इस सप्ताह की शुरुआत में इंफाल पश्चिम जिले में दो स्थानों पर ड्रोन्स से बम गिराए गए और रॉकेट हमले किए गए। मणिपुर में इससे पहले रॉकेट और ड्रोन्स हमले नहीं हुए थे।

मणिपुर में पिछले साल मई से जारी हिंसा में अब तक 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हुए हैं। शुक्रवार रात को बिष्णुपुर और इंफाल पूर्वी जिलों में रात के समय ड्रोन्स देखे जाने के बाद लोग दहशत में आ गए। इसके बाद लोगों ने अपने-अपने घरों की लाइटें बंद कर दीं। पुलिस ने बताया कि बिष्णुपुर जिले के नारायणसेना, नाम्बोल कामोंग और इंफाल पूर्व के पुखाओ, दोलाईथाबी, शांतिपुर इलाकों में ड्रोन्स उड़ते देखे गए।

मुलुंड चा राजा गणपति मंडल के दो मजदूरों को तेज रफ्तार कार ने कुचला, एक की मौत

मुंबई, 07 सितम्बर [एजेंसी]।

गणेश उत्सव की कोई भी बात बिना मुंबई के गणपति उत्सव की चर्चा के पूरी नहीं होती है। हर साल हजारों-लाखों लोग अपने घर में गणपति बप्पा को लाते हैं। हालांकि, इस खुशी के मौके पर मुंबई से बुरी खबर सामने आ रही है।

मुलुंड चा राजा गणपति मंडल के दो मजदूरों को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। इससे एक की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर बनी हुई है। मुंबई पुलिस ने बताया कि घटना सुबह चार बजे की है। मामला दर्ज कर कार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

उत्तराखंड में तस्करों व वन कर्मियों में मुठभेड़, रेंजर समेत चार कर्मचारी घायल, पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

रूद्रपुर, 07 सितम्बर [एजेंसी]।

तराई केंद्रीय वन प्रभाग के पीपलपड़ाव रेंज में सागौन के पेड़ काट रहे तस्करों की वन कर्मियों से मुठभेड़ हो गई। इस दौरान दोनों तरफ से कई राउंड गोली चलीं। जिसमें छर्रे लगने से रेंजर रूप नारायण गौतम समेत चार वन कर्मी घायल हो गए। इसका पता चलते ही वन विभाग और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

आनन फानन घायल वन अधिकारी और कर्मचारियों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। साथ ही तस्करों की तलाश शुरू कर दी गई है। तराई केंद्रीय वन प्रभाग पीपलपड़ाव के वन रेंजर रूप नारायण गौतम फारेस्टर कमल सिंह और शुभम शर्मा समेत अन्य वन कर्मियों के साथ शुक्रवार को दोपहर में गश्त पर थे। इस दौरान पीपल पड़ाव रेंज के प्लाट संख्या 112- 113 में सागौन का पेड़ काट रहे 10 से 11 वन तस्करों से उनका आमना सामना हो गया। वन कर्मियों को देखते ही तस्करों ने फायरिंग शुरू कर दी। यह देख वन कर्मियों ने भी तस्करों पर जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की। इस दौरान दोनों ओर से कई राउंड फायरिंग हुई।

WE ARE HIRING FOR TWO WHEELER SHOWROOM

1. Sales Manager : Qualification - Graduation, Diploma / Exp. 3-5 Year
2. Service Manager : Qualification - Graduation, Diploma / Exp. 3-5 Year
3. Parts Manager : Qualification - Graduation, Diploma / Exp. 3-5 Year
4. Computer: Operator : Qualification - PGDCA, DCA / 2- 5Year
5. Sales Executive : Qualification - Matric/2-5 Year
6. Service Technician : Qualification - Diploma, ITI /3-5Year
7. Service Advisor : Qualification - Diploma, ITI/ 3-5Year

CONTACT- 8305110855

विरोधियों को सिर्फ हराना नहीं, जमानत जब्त कर घर बैठाना है, जम्मू-कश्मीर के पलोड़ा में बोले अमित शाह

श्रीनगर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर हैं। अमित शाह पलोड़ा में जनसभा को संबोधित करेंगे। रैली में लोगों का आगमन शुरू हो चुका है। रैली स्थल पर भारत माता की जय के जयघोष हो रहे हैं। भारी संख्या में महिला कार्यकर्ता भी पहुंच गई हैं।जब तक शांति नहीं होगी पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। कांग्रेस का परिवार, अब्दुल्ला परिवार और मुफ्ती परिवार यह तीनों परिवार लूटा है। कहते हैं कि हम पहले जैसी व्यवस्था लाएंगे। क्या आपलोग सहमत हैं। गृह मंत्री ने कहा कि अगली सरकार किसकी बनेगी यह जम्मू वाले तय करेंगे। हमें घर जाकर उनके विभाजनकारी एजेंडा के खिलाफ लोगों को जागरूक करना है। मैं सबसे ज्यादा भरोसा मीडिया पर नहीं, बल्कि आप लोगों पर करता हूं। राहुल बाबा, मैं बाबा मन्हास के मंदिर की कसम खाकर कहता हूं कि हम आपको 370 वापस नहीं लाने देंगे। आपको गुज्जर बकरवाल और दलित भाइयों की रिजर्वेशन को समाप्त नहीं करने देंगे।

अमित शाह ने कहा कि 70 साल तक हम अपने अधिकार के लिए बाबा अमरनाथ की यात्रा के लिए लड़ते थे। अब न हमें मांगने की जरूरत है न आंदोलन करने की जरूरत है। जो आपके मन में है वह मोदी जी आपको सीधे दे रहे हैं। हमारे कार्यकर्ता घर जाएं और मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचाने का काम करें।अमित शाह ने कहा कि विरोधियों को सिर्फ हराना नहीं है। जमानत जब्त कर उन्हें घर बैठाना है।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
-: परामर्श का समय :- सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.(U.K) Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

गणेश पंडाल में विशेष समुदाय पर तोड़फोड़ का आरोप, जमकर हंगामा

रायपुर। रायपुर में गणेश चतुर्थी से ठीक एक दिन पहले किसी युवक ने पंडाल में रखी गणेश प्रतिमा को तोड़ दिया। घटना के बाद हिंदू संगठनों ने देर रात आजाद चौक थाने का घेराव 9कर दिया। स्थानीय पार्षद के साथ मिलकर लोगों ने जमकर बवाल मचाया और कहा कि भविष्य में ऐसी घटना घटी तो शहर में कर्फ्यू लगेगा और दंगे होंगे। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है, जिसके बाद प्रदर्शनकारी शांत हुए। शुभम सारथी ने पुलिस को बताया कि आजाद चौक थाना क्षेत्र के लाखे नगर के पास शुक्रवार रात 10 बजे एक विशेष समुदाय के युवक ने पंडाल में रखे गणेश प्रतिमा के निचले हिस्से को तोड़ दिया। समिति के सदस्यों ने जब ऐसा करने से मना किया।

अग्रसेन कन्या महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस,एएसपी शामिल हुई अतिथि बतौर

शिक्षक ही हमारे जीवन से अज्ञानता के अंधकार को दूर कर उसे ज्ञान के प्रकाश से भरते हैं : नेहा वर्मा

कोरबा । श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय कोरबा में शिक्षक दिवस सम्मान समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित मंचीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिले की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती नेहा वर्मा, विशिष्ट अतिथि के रूप में अग्रवाल सभा कोरबा के संस्थापक सदस्य बजरंग अग्रवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रवाल सभा के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल ने की। इस अवसर पर श्रीमती नेहा वर्मा ने छात्र-छात्राओं को गुरू-शिष्य परंपरा के संबंध में जानकारी दी। अंचल के दर्री रोड में स्थित प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान उन्हें नमन करते हुए उनके बताए राह पर चलने का संकल्प लिया गया जाता। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की आसंदी से शामिल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती नेहा वर्मा ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि शिक्षक ही हमारे जीवन से अज्ञानता के अंधकार को दूर कर उसे ज्ञान के प्रकाश से भरते हैं। शिक्षक हमें पढ़ाते ही नहीं, वरन वह हमारे भविष्य को आकार भी देते हैं, जिससे हम एक जिम्मेदार नागरिक बनते हैं। शिक्षक ही हमारी गलतियां हमें बताते हैं, जिसे सुधारकर हमें जीवनके हर नए मोड़ में आने वाली कठिनाइयों से लडने़ की शक्ति देते हैं।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बजरंग अग्रवाल ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि बच्चे एक कुम्हार के कच्चे घड़े के समान होते हैं, जिन्हें जिस आकार व रूप में चाहे उनमें परिवर्तित

किया जा सकता है।इसलिए अध्यापकों का यह कर्तव्य है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ-साथ उन्हेंनैतिक जीवन के भी तौर-तरीके सिखाए जाएं।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अग्रवाल सभा के अध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि गुरू शिष्य का रिश्ता प्राचीनकाल से चलता आ रहा है, जो आज भी कायम है। उन्होंने शिक्षक दिवस की महत्ता एवं गुरू शिष्य के रिश्तों का व्याख्यान करते हुए कहा कि छात्रों के भविष्य को उज्जवल बनाने वे आगे चलकर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें, यही संस्था का उद्देश्य है।कार्यक्रम को उपस्थित अन्य अतिथियों ने संबोधित करते हुए अपने उद्बोधन में छात्र जीवन में गुरु की महत्ता और छात्र-छात्राओं को शिक्षक की आवश्यकता एवं महत्ता के बारे में अपने-अपने विचार रखें। सभी अतिथियों ने इस अवसर पर महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षक शिक्षिकाओं को शुभकामनाएं दी एवं प्राध्यापकगण, कार्यालय कर्मचारी, सहयोगीगण सहित महाविद्यालय के समस्त अधिकारी, कर्मचारियों का सम्मान किया गया।शिक्षक दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान महाविद्यालय के प्राध्यापकों के लिए खेल एवं क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को तत्काल आकर्षक पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को महाविद्यालय परिवार द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल सभा के उपाध्यक्ष शिव अग्रवाल, श्री अग्रसेन शिक्षण समिति महाविद्यालय के अध्यक्ष सुनील जैन, उपाध्यक्ष रितु बुधिया, उपाध्यक्ष भगवती अग्रवाल, सचिव पवन अग्रवाल, इंजी. योगेश गोयल, प्रियंका अग्रवाल, प्रतिभा अग्रवाल, प्राचार्य मनोज कुमार झा सहित अग्रवाल सभा एवं शिक्षण समिति के पदाधिकारी व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय की जनभागीदारी हेतु समिति के सदस्यों का हुआ ऐलान

कोरबा । शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती आरती विकास अग्रवाल ने समिति के सदस्यों का ऐलान कर दिया है। उनके द्वारा घोषित सदस्यों में उपाध्यक्ष के रूप में कलेक्टर एवं सचिव के रूप में प्राचार्य (डॉ. राजेन्द्र सिंह) पदेन रहते हैं। विधायक प्रतिनिधि के रूप में संजय मानिकपुरी, सांसद प्रतिनिधि के रूप में श्रीमती शोभना परसाईं अपनी जिम्मेदारी का जहां निर्वहन करेंगे, वहीं दो अभिभावक सदस्य के रूप में कार्य करेंगे। अन्य सदस्यों में सामाजिक कार्यकर्ता धन कुमारी गर्ग, कुमारी रेखा सांडिया, श्रीमती मंजू सिंह, श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती हेमा साहू, श्रीमती संध्या पांडेय, डॉ. ए.पी. सिंह, श्रीमती स्मिता सिंह, श्रीमती कोमल आशीष, युवराज चंद्रा, राजेन्द्र साहू, श्रीमती लता नायक, राजेश साहू, कुमारी रेखा श्रीवास एवं श्रीमती स्वाति कश्यप को सदस्य मनोनित किया है। श्रीमती आरती विकास अग्रवाल ने यह मनोनय कोरबा विधायक एवं प्रदेश के कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन की अनुशंसा पर किया गया है। जिसमें सभी जाति वर्ग एवं कार्यक्षेत्र को ध्यान में रखकर मनोनय किया गया है। श्रीमती आरती विकास अग्रवाल ने सभी सदस्यों से आग्रह किया है कि टीम भावना के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें और जिले में ही नहीं, बल्कि प्रदेश में एक आदर्श महाविद्यालय के रूप में शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय में संसाधन जुटाने के लिए आवश्यक प्रयास करते रहें और अपना मार्गदर्शन भी देते रहें, ताकि छात्राओं को सरल, सुलभ और स्वस्थ वातावरण में सर्वोत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध होने के साथ-साथ शैक्षणिकेत्तर गतिविधियों ने भी विद्यालय का नाम रोशन हो।

ग्राम देवपहरी में पीएम जनमन शिविर का हुआ आयोजन

कोरबा । कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा व बिरहोर बाहुल्य क्षेत्रों में शिविर का आयोजन कर लोगों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाया का रहा है। शिविर में विभिन्न विभागो द्वारा योजनाओं से वंचित ग्रामीणों का आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति कर उन्हें प्राथमिकता से लाभांवित किया जा रहा है।

इस कड़ी में कोरबा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत देवपहरी में जनमन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जी. एस. मरकाम की उपस्थिति में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सज्जाद मोहम्मद बरपाली, एम.एस. कंवर कुदमुरा एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी क्षेत्र लेमरू रूद्रेश मरावी के द्वारा ग्राम जामभाट्ठा, हरदी महुआ, बरपानी, देवद्वारी के 52 पहाड़ी कोरबा एवं बिरहोर जनजाति के कृषकों का पीएम किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत ई-केवाईसी, लैंड-सीडींग, आधार सीडिंग तथा फिजिकल वेरिफिकेशन का कार्य कर उन्हें लाभांवित किया।

कुसमुंडा गुरुद्वारे में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश उत्सव धूमधाम से मनाया गया

कोरबा। कुसमुंडा गुरुद्वारे में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। गुरुद्वारे को फूलों और गुब्बारों से सजाया गया था। इस मौके पर कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें सिख समाज के तमाम लोग शामिल हुए। इसके बाद अरदास किया गया और फिर लंगर का आयोजन किया गया। रात में गुरुद्वारे के पास आतिशबाजी की गई।

गुरु ग्रंथ साहिब में गुरुओं के बोले गए शब्द हैं, जिसे गुरबाणी भी कहा जाता है। वर्ष 1904 में दरबार साहिब में सिखों के पांचवें गुरु श्री अर्जुन देव जी ने पहली बार गुरु ग्रंथ साहिब को प्रकाश किया था। तब से हर साल 3 सितंबर को गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश पर्व पूरी धार्मिक श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जाता है। हर सिख अपना जो भी काम करता है, वह गुरु ग्रंथ साहिब जी के आगे अरदास करके ही करता है।

बिलासपुर रेल मंडल अंतर्गत हुई सांसदो की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

कोरबा। दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के सांसदों के साथ रेल प्रबंधन द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक कार्यालय में आयोजित इस बैठक में उडीसा, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के आधा दर्जन सांसदों ने हिस्सा लिया। केंद्रीय राज्यमंत्री और बिलासपुर सांसद तोखन साहू की अध्यक्षता में हुई बैठक में जनप्रतिनिधियों ने अनेक सुझाव दिए। बैठक में जोर दिया गया कि जिस क्षेत्र में रेलवे कोई भी काम करता है जनप्रतिनिधियों को उसकी जानकारी नहीं दी जाती। उन्हें जनता को जवाब देना होता है इसलिए सबको उनके क्षेत्र में चल रहे समस्त कार्यों की जानकारी दी जानी चाहिए। इस पर रेल प्रबंधकों ने आश्वस्त किया कि अब ऐसा ही होगा। बारंबार गाड़ियों के परिचालन को बाधित करने पर भी सांसदों ने नाराजगी जाहिर की। रेल प्रबंधकों ने स्पष्ट किया की निरंतर चल रहे रेल पथ विकास और प्लेटफार्म निर्माण के कारण ट्रेनों को रद्द करना पड़ रहा है प्रयास किया जाएगा कि कम से कम ट्रेनों का परिचालन रोका जाए। कोरबा सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत द्वारा दिए गए 23 सुझाव पर रेल प्रबंधन द्वारा जो जानकारी दी गई है उसके अनुसार कोरबा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए डॉरमेट्री की सुविधा प्रदान की जाएगी। कोरबा और चांपा में अमृत बाजार योजना के तहत लिफ्ट का निर्माण चल रहा है। शक्ति में फुट ओवर ब्रिज के शेष हिस्से यानी प्लेटफार्म तीन चार पर रैम निर्माण का प्रस्ताव किया जा रहा है। कोरबा रेलवे स्टेशन में दूसरी एंट्री में साइकिल स्टैंड, कटघोरा, दीपका में रेलवे आरक्षण केंद्र की स्थापना का सुझाव दिया गया है। कोरबा में सर्व सुविधायुक्त महिला प्रतीक्षालय को उन्नत किया जा रहा है ऐसी जानकारी श्रीमती महंत को दी गई है। इसके तहत महिला यात्रियों के लिए लेडिज टॉयलेट बेबी फीडिंग बूथ जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएगी। गेवरा से चलने वाली गाड़ियों को भी बहाल करने का आश्वसन दिया गया है। रायपुर मेमू लोकल को भी प्रारंभ करने की मांग की गई है। कुछ नई ट्रेनों को भी कोरबा से चलाने का सुझाव दिया गया है ।कोरबा, चांपा, शक्ति, अकलतरा में रेलवे की खाली पड़ी जमीन में दुकान कंपलेक्स बनाते हुए बेरोजगारों को आवंटित करने का सुझाव भी माना गया है और कहा गया है इसे नोट कर लिया गया है। कोरबा रेलवे स्टेशन स्टाफ क्वार्टर का जीर्णोद्धार किये जाने के सुझाव पर कहा गया है कि यह यथाशीघ्र कराया जाएगा। दीपका नगर पालिका वार्ड के अंतर्गत आने वाले कृष्णा नगर से चार रेलवे ट्रैक के गुजरने से जो परेशानी वहां के लोगों को हो रही है उस पर भी रेल प्रबंधन द्वारा कहा गया है की भूमि अधिग्रहण परियोजना की आवश्यकता के अनुसार निर्णय लिया जा रहा है।

इस उच्च स्तरीय बैठक में अंबिकापुर से दिल्ली अंबिकापुर दुर्ग ट्रेन को नागपुर तक चलाने समेत लगभग एक दर्जन ट्रेनों को चलाने की मांग और तमाम जन सुविधाओं को लेकर रेल प्रबंधन को सुझाव श्रीमती ज्योत्सना महंत ने दिया है।

बैठक में कोरबा सांसद ने इस बार किसी पार्टी के नेता को अपना प्रतिनिधि बनाकर भेजने की बजाय पत्रकार को बैठक में शामिल होने के लिए अधिकृत किया था, पत्रकार द्वारा श्रीमती महंत की ओर से कोरबा से जुड़ी तमाम यात्री सुविधाओं और ट्रेन को लेकर पक्ष रखा गया। बताया गया कि कैसे कोरबा को सिर्फ कमाऊ पूत बना कर रखा गया है। रेलवे कोरबा का सिर्फ दोहन कर रहा है। पिटलाइन के निर्माण के समय आश्वस्त किया गया था कि इसके निर्माण के बाद लंबी दूरी की ट्रेन कोरबा को दी जाएगी लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

रेल प्रबंधन द्वारा बताया गया कि वहां एक ट्रेन की धुलाई होती है इस पर भी आपत्ति की गई और कहा गया कि यहां सिर्फ प्रदर्शन किया जाता है। ट्रेनों को कभी भी रद्द कर दिया जाता है जो ट्रेन कोरबा से चल भी रही हैं उनकी लेट लतीफी से रेल यात्री परेशान हो गए हैं मजबूरन उन्हें ट्रेन की बजाय सड़क मार्ग से सफर करना पड़ रहा है। कोरबा रेलवे स्टेशन के दो और तीन नंबर प्लेटफार्म पर जन सुविधा तक नहीं है पेयजल, वॉशरूम शेड का अभाव यात्रियों को अत्यंत कष्ट पहुंचाता है। सर्वाधिक आय देने वाले कोरबा के साथ उपेक्षा पूर्ण व्यवहार से क्षेत्र में काफी आक्रोश है जो कभी भी विस्फोटक रूप धारण कर सकता है।सांसदों के साथ बैठक में कोरबा से रायगढ़ के मध्य ट्रेन चलाने की मांग सांसद श्रीमती महंत की ओर से की गई है जिसका समर्थन रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया और राज्यसभा सदस्य देवेंद्र सिंह ने भी किया। उनकी भी मांग है कि दोनों शहरों के मध्य एक ट्रेन अत्यंत आवश्यक है।

बैठक में गेवरा, पेंड्रा, कटघोरा, कवर्धा के मध्य रेल लाइन बिछाने और यात्री सुविधाओं को लेकर भी चर्चा की गई। इस परियोजना पर चल रहे कार्य पर अधिकारियों ने प्रकाश डाला।बैठक में बिलासपुर सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के अलावा शहडोल सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, जांजगीर सांसद कमलेश जांगड़े, बरगढ़ उड़ीसा सांसद प्रदीप पुरोहित सहित सुंदरगढ़ सांसद और केंद्रीय मंत्री जुवेल ओराम के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। रेल प्रबंधन की ओर से जी एम, डीआरएम और सभी विभागों के एच ओ डी उपस्थित रहकर जनप्रतिनिधियों के प्रश्नो और सुझाव का जवाब दे रहे थे।

बारदाना की राशि दिलाने उपपंजीयक से लगाई गुहार

डीएम व खाद्य अधिकारी ने कहा था निराकरण करने

कोरबा। रमेश साहू ने उप पंजीयक सहकारी संस्था कोरबा और नोडल अधिकारी सीसीबी कोरबा को पत्र के माध्यम से न्याय की गुहार लगाते हुए पीडीएस बारदाना की राशि समिति तिलकेजा को दिलाने की बात कही है। उन्होंने बताया कि कोरोना काल खरीफ वर्ष 2020-21 में बारदाना का किल्लत होने के कारण उनके द्वारा खरीदे गए पीडीएस बारदाना को जप्त करते हुए तत्कालीन प्रबंधक प्रकाश कौशिक एवं प्रभारी राम खिलावन के सुपुर्दनामा मे 251 बंडलम 50= 12550 नग तथा 252 बंडल म 50= 12600 दिया गया था। समितियां द्वारा 12550 नग बारदाना का भुगतान उन्हें कर दिया गया किंतु 252 बंडल म 50= 12600 नग बारदाना की राशि उन्हें अब तक प्राप्त नहीं हुई है। इस संबंध में उनके द्वारा कलेक्टर और जिला खाद्य शाखा को पत्र लिखा गया था जिस पर खाद्य अधिकारी द्वारा निराकरण एवं अग्रिम कार्रवाई के लिए आप लोगों को सक्षम अधिकारी होने के कारण पत्र प्रेषित की गई थी किंतु खेद का विषय है कि आज दिनांक तक इसका निराकरण नहीं हो सका है । लिहाजा रमेश साहू ने संबंधित अधिकारियों से निवेदन करते हुए कहा की तिलकेजा समिति से 252 म 50= 12600 नग बारदाने की राशि 12600 म 25 = 315000 रुपए का भुगतान यथाशीघ्र कराई जाए अन्यथा 252 बंडल बारदाना उन्हें वापस दिलाया जाए ।

लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल द्वारा आयोजित गुरूजन सम्मान समारोह में 65 शिक्षको का किया गया सम्मान

कोरबा । कोरबा जिलान्तर्गत 05 सितम्बर को लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल एवं नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल परिसर में शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर गुरूजन सम्मान समारोह का आयोजन राम सागर (सहायक सेनानी 13 बटालियन मड़वारानी) के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

उक्त समारोह में मोहम्मद महमूद मेमन (संकुल प्रभारी-सीएसी, बीरतराई) विशिष्ट अतिथि एवं पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल (चेयरमेन लायंस पब्लिक स्कूल ट्रस्ट) गेस्ट ऑफ ऑनर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य दीपक जायसवाल द्वारा की गयी। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा विद्यालय परिसर में स्थापित मॉ सरस्वती के मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। तत्पश्चात् डॉ. राधाकृष्णन सर्वपल्ली की प्रतिमा पर दीपप्रज्जवलन कर माल्यार्पण किया गया। विद्यालय के प्राचार्य दीपक जायसवाल ने अपने स्वागत उद्बोधन में सभी अतिथियों, शिक्षकों का स्वागत किया और शिक्षक दिवस पर विस्तार से विद्यार्थियों बताया। मुख्य अतिथि रामसागर ने कहा कि शिक्षक ही है, जो हाड़मांस के लोथड़े को एक संपूर्ण इंसान बनाता है। आज इस बात का चिंतन होना चाहिए कि गुरू शिष्य के प्रति पूर्ण ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करे, वहीं शिष्य भी पूर्व की भांति गुरू का सम्मान करे। आज मैं इस विद्यालय परिसर में आकर धन्य हो गया और बच्चों का अनुशासन एवं गुरूजनों की कर्तव्य परायणता से अभिभूत हूं। इस अवसर पर गेस्ट ऑफ ऑनर, विद्यालय के चेयरमेन पीएमजेएफ लॉयन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि गुरू (शिक्षक) का नाम सुनते ही हमारे जेहन में सम्मान का भाव पैदा होता है। उन्होंने कहा कि गुरू का स्थान सर्वोपरी है और वेद पुराणों में गुरू का स्थान भगवान से भी ऊंचा रखा गया है। हमें इस बात पर गर्व हो रहा है कि हम क्षेत्र के प्रतिभावान गुरूजनों का सम्मान कर रहे हैं। समाज को नई दिशा देना भी गुरूओं की बड़ी जिम्मेदारी होती है और वे अपने कर्तव्य परायण और जिम्मेदारी से बच्चों को एक बेहतर नागरिक बनाए, ताकि समाज में एक आदर्श स्थापित हो सके। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य दीपक जायसवाल ने सभी गुरूजनों, अतिथियों, उपस्थित नागरिकों एवं विद्यार्थियों का आभार जताया।

ग्रामीणों ने की जिला बदर की मांग,कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

कोरबा। भू विस्थापितों को जान से मारने की धमकी देना बंद करो, अमरजीत सिंह तेरी गुंडागर्दी नहीं चलेगी, अमरजीत सिंह को जिलाबदर करना होगा। इस तरह की तख्तियां लेकर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां उन्होंने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है।

श्रम सेवा भूविस्थापित कामगार संगठन के बैनर तले सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि विकास नगर कुसमुंडा निवासी व पार्षद अमरजीत सिंह द्वारा 2009 से लगातार कुसमुंडा खदान क्षेत्र में गुंडागर्दी करते हुए जान से मारने का प्रयास तथा इस क्षेत्र में दहशत फैलाने संबंधित: घटनाओं को अंजाम देता आ रहा है। गाँव के ही कुछ लोगों को शराब पिलाकर गाँव-गाँव में झगड़ा करा रहा है। 4 सितंबर को हड़ताल के दौरान लगभग रात्रि 9:30 बजे नीलकंठ कंपनी के पार्किंग के पास अमरजीत सिंह एवं उनके गुर्गों द्वारा ड्यूटी के दौरान वहाँ उपस्थित गाँव वालों को जान से मारने की धमकी व घर में घुसकर मार कर फेंक देने की धमकी देते हुए गुंडागर्दी किया जा रहा था। एक साल पूर्व में भी अमरजीत सिंह की कंम्पनी केडी ट्रांसपोर्ट द्वारा कुसमुंडा खदान में डीजल चोरी करते हुए एक टेंकर गाड़ी पकड़ाया था। जिसकी शिकायत खदान सुरक्षा में लगे त्रिपुरा बटालियन ने कुसमुंडा थाने में की थी। जिसपर आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं हुआ जिससे इनका मनोबल पड़ा हुआ है।

अगर भविष्य में किसी भी भूविस्थापित गाँव वाले के साथ मारपीट या कुछ भी अप्रिय घटना घटता है, तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी अमरजीत सिंह एवं उनके गुंडों की होगी। उन्होंने मांग की है कि आदतन बदमाश अमरजीत सिंह एवं उनके गुंडों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करते हुए जिला बदर की कार्यवाही की जाए। ताकि भूविस्थापित किसान एवं खदान से प्रभावित क्षेत्रों में शांति का माहौल बन सके।

जय सिंह ने दी गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं

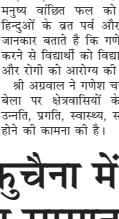

कोरबा। पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने गणेश चतुर्थी व्रत के पावन अवसर पर क्षेत्रवासियों को अपनी शुभकामनाएं दी है। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि श्री गणेश चतुर्थी के पावन बेला पर व्रत रखने से धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। मनुष्य वांछित फल को प्राप्त करता है। हिन्दुओं के व्रत पर्व और तीज त्यौहार के जानकार बताते है कि गणेश चतुर्थी के व्रत करने से विद्यार्थी को विद्या, व्यापारी को धन और रोगी को आरोग्य की प्राप्ति होती है।

श्री अग्रवाल ने गणेश चतुर्थी पर्व के पावन बेला पर क्षेत्रवासियों के वैभव, ऐश्वर्य, उन्नति, प्रगति, स्वास्थ्य, समृद्धि तथा दीर्घायु होने की कामना की है।

ग्राम डूमरकछार में कृषक प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

कोरबा । केंद्र प्रवर्तित सबमिशन ऑफ सीड एंड प्लांटिंग मटेरियल योजना अंतर्गत विकासखंड पाली के ग्राम डूमरकछार में कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पाली एवं फील्ड के सभी ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण में कृषकों को एसएमएसपी योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें समसामयिक एवं धान फसल में लगने वाले कीट व्याधि के बारे में बताते हुए बचाव व नियंत्रण के उपाय के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी एवं किसानों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया गया।

भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के सदस्य राम के. रघुवंशी रहेंगे जिले के प्रवास पर

कोरबा। भारतीय पशु कल्याण बोर्ड नई दिल्ली के सदस्य राम के. रघुवंशी आगामी 08 व 9 सितंबर को कोरबा जिले के प्रवास पर रहेंगे।जानकारी के अनुसार श्री रघुवंशी का 08 सितंबर को दोपहर 12:30 बजे कोरबा सर्किट हाउस में आगमन होगा। दोपहर 2:30 बजे कोरबा सर्किट हाउस से प्रस्थान कर गौशाला का विजिट करेंगे। रात्रि विश्राम के पश्चात 09 सितंबर को 11 बजे कलेक्ट्रेट में कलेक्टर, एसपी व अन्य अधिकारियों का बैठक लेंगे। तत्पश्चात शाम 5 बजे रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

मजदूरी का भुगतान नही होने पर मजदूर बैठे कार्यालय के सामने हड़ताल पर

कोरबा। जिले में एमपी उमरिया जिले के 50 लोगों ने पसान में रेंजर कार्यालय के पास डेरा डाल दिया। उन्होंने कर्मचारियों पर परेशान करने का आरोप लगाया। चेतावनी दी है कि अगर काम का भुगतान जल्द नहीं किया जाता है तो वह यहीं पर मर जाएंगे। कोरबा जिले के वन परीक्षेत्र पसान से संबंधित यह मामला है। कुछ समय पहले वन विभाग ने सीपतपारा क्षेत्र में पौधारोपण और फेंसिंग से संबंधित काम कराया है। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के 50 से ज्यादा लोगों को इस काम में शामिल किया गया था। रोजगार की दृष्टि से इन लोगों ने वन विभाग के इस काम में रुचि ली।

मजदूर रोशनी बाई ने बताया कि उन्हें फोन कर एमपी से छत्तीसगढ़ के पसान में वन विभाग के कर्मचारियों के द्वारा बुलाया गया जिसके बाद फेंसिंग और पौधा रोपण का काम कराया गया। 50 मजदूरो से मजदूरी कराई गई।मजदूरों ने बताया कि त्योहार के समय उन लोगों को 50 लोगों को बांटने 55000 दिए गए थे और बाकी रकम बाद में देने की बात हुई थी। हम लोग अधिकारी के फोन पर यहां पहुंचे हैं, लेकिन अब भुगतान की बात नहीं की जा रही है और परेशान किया जा रहा है। अगर हमें बकाया भुगतान नहीं मिलता है तो हम यहीं पर मर जाएंगे।पसान रेंजर रामनिवास दहायक ने बताया कि खेती के समय मजदूर नहीं मिलने के कारण एमपी से मजदूर काम करने आए हुए थे। जहां उनका कुछ भुगतान किया गया है और कुछ बाकी है। पेपर्स पास होने के बाद उन्हें वेतन दे दिया जाएगा।

जिप्सा कॉलेज कुचैना में हुआ शिक्षकों का सम्मान

कोरबा। जिप्सा प्रोफेशनल कॉलेज कुचैना में गुरुवार को शिक्षक दिवस मनाया गया। यह दिन डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन के याद में मनाते हुए शिक्षकों का सम्मान किया गया। छात्रों ने शिक्षकों को पुष्पगुच्छ देकर उनका सम्मान किए। सभी शिक्षकों ने जीवन में सफल होने के लिए चुनौती पूर्ण लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत होने के लिए छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया। इस आयोजन कॉलेज के छात्र-छात्राओं का योगदान रहा। अंत में सभी शिक्षकों को छात्रों द्वारा उपहार व स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सामल 8 सितंबर को श्वेता नर्सिंग होम में देंगे अपनी सेवाएं

कोरबा। अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. महेन्द्र प्रसाद सामल एम.डी., डी.एम. डी.एन.बी. (हृदय रोग) 8 सितंबर रविवार को पावर हाउस रोड स्थित श्वेता नर्सिंग होम में ओपीडी सेवाएं देंगे। कोरबा में वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ सुबह 11 से 2 बजे तक यहां उपस्थित रहेंगे। डॉ. सामल ने कहा है कि आपका जीवन अनमोल है, इसलिए समस्याओं को अनदेखा ना करें। हृदय से संबंधित रोग के लक्षण- सांस लेने में तकलीफ, थकावट एवं चक्कर आना, उच्च रक्त चाप, बच्चों के दिल में छेद होना, सीने में दर्द एवं जकड़न, घबराहट, हृदय की धमनियों में रूकावट की शिकायत पर तुरंत जांच कराएं।डॉ. सामल एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, पेसमेकर, सी.आर.टी विशेषज्ञ हैं। अधिक जानकारी व पंजीयन हेतु मोबाइल नम्बर 9752512227, 9111736369 पर संपर्क किया जा सकता हैं। परामर्श व उपचार लाभ के लिए मरीज को पुरानी रिपोर्ट अवश्य लाना होगा।

स्वच्छता ही सेवा अभियान:जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नगर में की साफ सफाई

सक्ती। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग मंत्री और जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद लोकसभा क्षेत्र जांजगीर चाम्पा श्रीमती कमलेश जांगड़े और कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री अमृत विकास तोपनो सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों और अधिकारियो ने विगत दिवस कलेक्टर कार्यालय परिसर पर स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत साफ-सफाई किया और स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने स्वच्छता सेवा संबंधित कार्यों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित कराते हुवे सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने कहा। उन्होंने जिले में सुव्यस्थित कार्ययोजना बनाकर वृहद 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत स्वच्छता के प्रति आम जनता के सोच में बदलाव हेतु जमीनी स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कराने के निर्देश दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक वर्ष 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर स्वच्छ भारत दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिससे कि लोगों में स्वच्छता के प्रति सोच को बदला जा सके एवं सामुहिक रूप से ग्रामीणजन अपने गांव एवं क्षेत्र को स्वच्छ रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकें। इसी क्रम में प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े सहित सांसद, कलेक्टर, विभिन्न जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर पर साफ सफाई करते हुए स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती विद्या सिदार, जिला पंचायत सदस्य टिकेश्वर गबेल, अपर कलेक्टर श्री बीरेंद्र लकड़ा, संयुक्त कलेक्टर दुष्यंत रायस्त, मुख्य नगरपालिका अधिकारी संजय सिंह, कृष्ण कांत चंद्रा, अभिषेक शर्मा, अधिवक्ता चितरंजय पटेल, राम नरेश यादव सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि और अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

अंबेडकर प्रतिमा के सामने पेड़ की कटाई कर दी ठेकेदार ने

जांजगीर नैला। नगर पालिका परिषद जांजगीर नैला द्वारा एक भी पेड़ तो शहर में नहीं लगाया जा रहा वहीं एक भी पेड़ों का संरक्षण उनके द्वारा नही हो रहा है जो अब मुख्य सड़क के पेड़ों को काटने में लगी है । व्यापारी वर्ग अपने दुकानों के सामने के सरकारी पेड़ों को अनवरत काट रहे हैं तो वही ठेकेदार भी इस कार्य में आगे है जिसके कारण शहर की हरियाली धीरे-धीरे समाप्त होने की कगार पर है।

इस संबंध में अवगत हो कि नगर पालिका परिषद जांजगीर नैला के द्वारा कचहरी चौक के पास भीमराव अंबेडकर प्रतिमा का सौंदरीकरण कराया जा रहा है इसके ठीक सामने एक किनारे पर गुलमोहर का पेड़ स्थित था जो लोगों को छाया देने का कार्य करता था उसे सौंदरीकरण करने के बहाने ठेकेदार द्वारा काट दिया गया है जबकि यह पेड़ किसी भी दृष्टि से इस सौंदर्यीकरण कार्य में बाधा नहीं बन रहा था बावजूद इसके नगर पालिका के अध्यक्ष के दिशा निर्देश में यह विशाल गुलमोहर का पेड़ काट दिया गया है । जिसे लेकर लोगों में आक्रोश दिखाई देने लगा है। इसके पहले नेताजी चौक में ओम स्वीट के सामने लगे गुलमोहर एवं पारिजात के पेड़ों को दुकानदारों द्वारा सुनियोजित तरीके से काट दिया गया है जो की छाया देने का काम किया करता था लेकिन दुकानों में बाधा समझते हुए संबंधित लोगों द्वारा उक्त पेड़ों की कटाई कर दी गई, ठीक इसी तरह जांजगीर के जाने-माने दंत रोग विशेषज्ञ सौरभ शर्मा ने अपने अस्पताल के सामने स्थित गुलमोहर के पेड़ों की कटाई करवा दी है जिससे लोगों को गर्मी में छाया नहीं मिल पा रहा है।

यहां यह बताना आवश्यक है कि इन पेड़ों को शहर में हरियाली एवं छाया लाने की दृष्टि से जिला प्रशासन के द्वारा डीएमएफ फंड से तत्कालीन कलेक्टर ओपी चौधरी के कार्यकाल में वृक्षारोपण कराया गया था जो समय के साथ पूरी तरीके से विकसित होता रहा है, लोगों को इससे छाया मिल रहा था किंतु शहर के कुछ लोगों को यह रास नहीं आ रहा है जो धीरे-धीरे किसी न किसी योजना से अपने दुकानों के सामने स्थित पेड़ों की कटाई कर रहे हैं और प्रशासन पूरी तरह से मौन है। जबकि लगातार बढ़ते गर्मी को ध्यान में रखते हुए एवं पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से इन पेड़ों को लगाया गया था। जिसमें शासन द्वारा लाखों रुपए खर्च किया गया है परंतु स्वयं नगर पालिका के अध्यक्ष ऐसी हरियाली को उजाड़ने में लगे हुए हैं जो लोगों को छाया दे रही अंबेडकर प्रतिमा के सामने स्थित पेड़ को कटवा दिए हैं। आम लोगों में इससे आक्रोश दिखाई देने लगा है।

इतना ही नहीं बल्कि नगर पालिका परिषद जांजगीर नैला के द्वारा बेजा कब्जा हटाओ अभियान चलाया जाता है किंतु स्वयं गिरिजा होटल के सामने दीवाल खड़ी कर बेजा कब्जा कर दिए हैं जिससे होटल का व्यवसाय कमजोर होने लगा है। जबकि खुद नगर पालिका के अध्यक्ष को पेड़ों की कटाई करने वाले लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करनी चाहिए।

दैहिक शोषण के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

चांपा। गत 20.03.2024 को रात्रि में पीड़िता अपने घर पर अकेली थी तभी आरोपी सत्यम खरे व उसके दोस्त निखिल कुमार कोसले द्वारा पीडिता के घर जाकर उसको नशीली पदार्थ पिलाकर आरोपी सत्यम खरे द्वारा दैहिक शोषण किया और घटना के समय उसके साथी निखिल कुमार कोसले द्वारा घटना का विडियो फोटो बना रहा था कि लिखित रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 415/2024 धारा 376,328,34 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था ।

महिला पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए विवेक शुक्ला पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार जायसवाल के मार्गदर्शन में आरोपी की पतासाजी हेतु थाना स्तर से टीम गठित किया गया था।

प्रकरण के आरोपीगण घटना घटित कर अपने सकुनत से फरार था जिसकी पुलिस द्वारा लगातार पातासाजी की जा रही थी। जिसे मुखबीर के सूचना के आधार पर ग्राम पीपरसत्ती से आरोपीयो सत्यम खरे व निखिल कुमार कोसले साकिनान पीपरसत्ती थाना अकलतरा को पकड़ा जिसको हिरासत मे लेकर घटना के संबध मे पूछताछ किया गया जो जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर दिनांक 05.09.24 को न्यायिक रिमांड में भेजा गया।

उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक मणिकात पाण्डेय थाना प्रभारी अकलतरा, सउनि बी.पी.खाण्डेकर, राजेंद्र क्षत्रिय, प्र.आर. शरीफुददीन खान, म.प्र.आर. अनिता पाटले आरक्षक शेषनारायण साहू, बसंत कुमार साहू का सराहनीय योगदान रहा।

नौकरी मांगने गाड़ी के सामने लेटी महिला

बिलासपुर। राशि पावर प्लांट के खिलाफ प्रदर्शन करने पहुंची महिला कंपनी के डायरेक्टर की गाड़ी के सामने लेट गई। जिस पर कंपनी को पुलिस बुलानी पड़ गई। लोगों का कहना है कि कंपनी ने जमीन के बदले नौकरी देने का वादा किया था। वहीं, कंपनी ने कहा कि जिनकी जमीन नहीं है वो नौकरी की मांग कर दबाव बना रहे हैं।

दरअसल, राशि पावर स्टील कंपनी मस्तूरी क्षेत्र के भदौरा में संचालित है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जमीन कंपनी ने पावर प्लांट लगाया और जमीन खरीदी की थी, तब पीड़ित परिवार के सदस्यों को जमीन के बदले नौकरी देने का वादा किया था।

शिक्षक गढ़ते है बच्चों का भविष्य-कलेक्टर

जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान कार्यक्रम में शामिल हुए कलेक्टर,शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए शिक्षकों का हुआ सम्मान

जांजगीर-चांपा । पूर्व राष्ट्रपति और महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जयंती शिक्षक दिवस के अवसर पर आज सेजेस जांजगीर में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर आकाश छिकारा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कलेक्टर आकाश छिकारा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक दिवस हमें बचपन की याद दिलाता है और इस दिन होने वाले आयोजन के दौरान हमें शिक्षकों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि गुरू ही है जो विद्यार्थियों की समस्याओं को दूर करता है और उन्हें कठिन परिस्थितियों से बाहर निकालता है।

कलेक्टर ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि उत्कृष्ट जांजगीर के तहत चल रहे अभियान के माध्यम से अपने कार्य को और भी उत्कृष्टता से करें और छात्रों को अच्छी शिक्षा प्रदान कर उन्हें आगे बढ़ाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी को निखारने का काम गुरु करते है। उन्होंने कहा कि ज्ञान की शक्ति गुरुओं से ही प्राप्त होती है। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने कहा गुरु ही शिष्यों को अंधकार से दूर कराते हैं। उन्होंने कहा कि प्रेरणा जगाने का काम गुरु करते है उन पर विद्यार्थियों के भविष्य को गढ़ने की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले शिक्षकों की सराहना करते हुए शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने संस्कृत के सुंदर श्लोक सुनाकर शिक्षको की महिमा के बारे में बताया। इस अवसर पर कलेक्टर ने शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र, शाल श्रीफल और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी, शिक्षक, अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

जिले में 14 सितंबर से 2 अक्तूबर तक चलाया जाएगा स्वच्छता ही सेवा अभियान

जांजगीर चांपा। जिला कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में जिला स्तरीय स्टियरिंग कमेटी की बैठक आयोजित कर जिले में 14 सितंबर से 2 अक्तूबर तक चलाया जाएगा स्वच्छता ही सेवा अभियान की सफलता के लिए जनसहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर छिकारा ने बताया कि यह अभियान 2 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें जनप्रतिनिधियों, छात्र-छात्राओं और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होगी। अभियान के अंतर्गत स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता जैसे प्रमुख घटकों को लागू किया जाएगा। इसमें सफाई-मित्रों के लिए विशेष सुरक्षा शिविर आयोजित किए जाएंगे, साथ ही उन्हें शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। अभियान के दौरान ''स्वच्छ फूड स्ट्रीट'', ''स्वच्छ भारत कल्चरल फेस्ट'', ''जीरो वेस्ट इवेंट'', और ''वेस्ट टू आर्ट'' जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा, स्वच्छता दौड़, साइकिल रैली, मैराथन, मानव श्रृंखला, विशेष ग्राम सभा और स्वच्छता शपथ जैसे कार्यक्रम भी होंगे। उन्होंने कहा कि घर, परिसर, दुकान, कार्यालय आदि जगहों को साफ-सुथरा रखें, साथ ही कहीं भी कूड़ा-कचरा न फेंके। गांव, शहरों में गंदे व कचरे-ढेर जमा स्थानों (ब्लैक स्पॉट) की सफाई की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल रावते सर ने इस अभियान को लेकर राज्य शासन द्वारा दिए गए दिशा निर्देश से अवगत कराया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भादो में मेघों की मेहरबानी से इलाका जलमग्न

घंटो बिजली बंद रहने से हुई परेशानी

जांजगीर - चांपा। गुरूवार को जिले के विभिन्न् क्षेत्रों में करीब ढाई घंटे तक झमाझम वर्षा हुई। अन्य दिनों की तरह ही सुबह से लेकर शाम तक मौसम साफ था। दोपहर में उमस भरी गर्मी ने लोगों को खूब परेशान किया।

मगर शाम छह बजे के बाद अचानक मौसम बदला और तेज हवाओं के साथ आसमान में काले बादल छा गए और वर्षा होने लगी। वर्षा से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। जबकि शहर के कई निचले हिस्से में जल जमाव हो गया। वर्षा के चलते शहर की बिजली भी घंटो बंद रही ।

रोज की तरह गुरूवार को भी सुबह से ही तेज धूप छाई हुई थी। दोपहर में पारा 30 डिग्री पर था। इसके बाद शाम छह बजे मौसम ने करवट बदला। बादल छा गए और तेज हवाएं चलने लगी। इसके बाद वर्षा शुरू हो गई। फिर ढाई घंटे तक झमाझम वर्षा हुई। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली।

इधर तेज वर्षा के साथ शहर व आसपास की बिजली चली गई। रात 10 बजे शहर के कुछ हिस्से में ही बिजली आपूर्ति बहाल हुई। जबकि ज्यादातर हिस्से में अंधेरा पसरा रहा। लगातार वर्षा से शहर के गली मोहल्लों में पानी लबालब भर गया।

कोसला गांव में सरकारी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया प्रशासन ने

जांजगीर-चांपा। जिले के कोसला में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर अवैध रूप से बने 12 मकानों पर बुलडोजर चलाया गया है। सरपंच ने कलेक्टर आकाश छिकारा से शिकायत की थी। इसके बाद बड़ी संख्या में पुलिस टीम और राजस्व अधिकार तहसीलदार की उपस्थिति में ये कार्वीई की गई।

पामगढ़ तहसीलदार बजरंग लाल साहू ने मिली जानकारी अनुसार, ग्राम कोसला के सरपंच के द्वारा गांव के शासकीय भूमि पर गांव के कुछ लोगों के द्वारा अवैध रूप से छोटे-छोटे मकान बनाकर रह रहे थे। इसकी शिकायत आकाश छिकारा से की गई थी। इसे लेकर शासकीय भूमि में अतिक्रमण का मामला दर्ज किया गया। नोटिस के बाद भी किसी ने मकान खाली नहीं किया। कलेक्टर के निर्देशन में गुरुवार को अवैध रूप से बने 12 छोटे-छोटे मकानों पर बुलडोजर चलाया गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न न हो, इसके लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

मंत्री राजवाड़े के हाथों शिक्षक को गौरव अलंकरण

सक्ती। शिक्षक दिवस के अवसर पर आज महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री और सक्ती जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य और सांसद लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा श्रीमती कमलेश जागड़े की अध्यक्षता में जिला स्तरीय मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण सम्मान समारोह 2024 का आयोजन हटरी धर्मशाला सक्ती में किया गया। इस अवसर पर जिले में सेवानिवृत्त शिक्षकों, शतप्रतिशत वार्षिक परीक्षा परिणाम दिलाने वाले प्राचार्यों तथा जिले में शिक्षा प्रदान करने वाले विभिन्न शिक्षकों को बेहतर कार्य करने के लिए शिक्षादूत पुरुस्कार और ज्ञानदीप पुरुस्कार से प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद श्रीमती कमलेश जागड़े, जिला शिक्षा अधिकारी एन के चंद्रा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों द्वारा साल, श्रीफल और प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण सम्मान समारोह के अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सभी को शिक्षक दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। प्रभारी मंत्री ने कहा कि बच्चों को जीवन में आगे बढानें और सही राह दिखाने में शिक्षकों का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही वे मार्गदर्शक होते हैं, जो हमें सही दिशा दिखाते हैं और हमारे ज्ञान को बढ़ाने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि जो शिक्षक छात्र-छात्राओं को बेहतर ढंग से आगे बढ़ाने का काम करते है। ऐसे शिक्षकों सम्मानित करने के लिए मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण सम्मान प्रदान किया जाता है। उन्होंने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि एक अच्छे शिक्षक के रूप में आप सभी अपनी एक अलग पहेचान बनाये । उन्होंने कहा कि आप सभी बच्चों को अच्छी शिक्षा, अच्छा ज्ञान देंगे तो एक अच्छे समाज का निर्माण होगा । उन्होंने कहा कि कोई भी विद्यार्थी किसी अच्छे मुकाम पर अपने शिक्षक के बदौलत ही पहुँच पाते है । इसलिए शिक्षकों का जीवन में महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसी क्रम में सांसद लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा श्रीमती कमलेश जागड़े ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु के बिना ज्ञान नहीं मिलता । एक शिक्षक के पढ़ाने के बाद ही कोई विद्यार्थी ही कलेक्टर, एसपी, मंत्री, सांसद, जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी, बिजनेसमैन सहित अन्य मुकाम पर पहुँचता है द्य उन्होंने सभी को शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है । इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती विद्या सिदार, जिला पंचायत सदस्य टिकेश्वर गबेल, जिला शिक्षा अधिकारी एन के चंद्रा, जिला सांख्यिकी अधिकारी राकेश अग्रवाल सहित कृष्ण कांत चंद्रा, रामनरेश यादव, अभिषेक शर्मा सहित विभिन्न जनप्रतिधि, अधिकारी कर्मचारी, गणमान्य नागरिक, विभिन्न शिक्षक शिक्षिकाए, सेवानिवृत्त शिक्षक, मीडिया प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे । कार्यक्रम के अंत में जिला सांख्यिकी अधिकारी राकेश अग्रवाल द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

आज से चक्रधर समारोह...हेमा मालिनी देंगी परफॉर्मेंस

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में 39वां चक्रधर समारोह का शुभारंभ रामलीला मैदान में आज से होगा। गणेश पूजा, दीप प्रज्वलन, गणेश वंदना के साथ शुरुआत होगी। पहले दिन पद्मश्री हेमा मालिनी परफॉर्मेंस देंगी। इसके बाद 17 सितंबर तक लगातार दस दिनों तक 7 पद्मश्री कलाकार और कवि कुमार विश्वास की भी प्रस्तुति होगी। इसमें देश के कई ख्याति प्राप्त कलाकार शिरकत कर रहे हैं। 10 दिनों के आयोजन का शेड्यूल जारी हो चुका है। शास्त्रीय संगीत से जुड़े नृत्य, गायन और वादन के साथ अलग-अलग लोक विधाओं का जीवंत मंचन यहां देखने को मिलेगा। आज शाम 5.30 बजे से शुभारंभ कार्यक्रम पद्मश्री रामलाल जी का सम्मान, भूपेन्द्र बरेठ की ओर से कथक समूह नृत्य, मनियर भगत जशपुर द्वारा कर्मा लोकनृत्य और पद्मश्री हेमा मालिनी भरतनाट्यम पर आधारित नृत्य नाटिका राधा रासबिहारी की प्रस्तुति देंगी। कल विजय शर्मा रायगढ़ की ओर से लोक गायन, वाणी राव भोपाल द्वारा शास्त्रीय गायन, पद्मश्री रंजना गौहर दिल्ली की ओर से ओडिशी नृत्य, मंदाकिनी स्वैन दिल्ली द्वारा शास्त्रीय गायन और सौगत गांगुली कोलकाता सरोद वादन की प्रस्तुति देंगे।

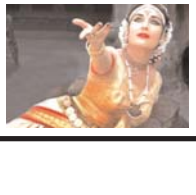

सप्ताह की प्रतीक्षा करें तब हो सकेगी सोनोग्राफी

जांजगीर - चांपा = जिला अस्पताल में सप्ताह में केवल एक दिन बुधवार को ही सोनाग्राफी होती है। यह अव्यवस्था जिला अस्पताल में पिछले एक साल से चली आ रही है मगर इस बड़ी समस्या को दूर करने न तो अस्पताल प्रबंधन गंभीर है और न ही प्रशासन द्वारा कोई पहल किया जा रहा है। मरीजों को होने वाली परेशानी से प्रशासन और विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को कोई सरोकार नहीं है।

जानकारी के बावजूद जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। व्यवस्था के नाम पर नवागढ़ के बीएमओ को सप्ताह में एक दिन बुलाकर सोनोग्राफी कराया जाता है। जिसके लिए सप्ताहभर तक इंतजार करना पड़ता है। वहीं जिनकों आवश्यकता रहती है वे प्राइवेट सेंटर में 900 से 1000 देकर सोनोग्राफी कराने मजबूर होते हैं। ऐसे में जिला अस्पताल में निश्शुल्क सोनोग्राफी की सुविधा जरूरतमंदों को नहीं मिल पा रही है।

जिले के सबसे बडे अस्पताल में बुधवार को ही सोनोग्राफी होती है। क्योंकि यहां सालभर से रेडियोलाजिस्ट नहीं है। जिला अस्पताल में हर रोज बड़ी संख्या में लोग इलाज कराने के लिए आते हैं। खासकर गर्भवती महिलाओं को समय - समय पर गर्भ में पल रहे भ्रूण की जांच के लिए सोनोग्राफी कराना जरूरी रहता है। पहले सप्ताह में छुट्टी के दिनों को छोड़कर सभी दिन सोनाग्राफी होती थी, लेकिन सालभर पहले जिला अस्पताल में पदस्थ रेडियोलाजिस्ट के नौकरी छोड़ देने के बाद से स्थिति बिगड़ गई है। ऐसे में यहां सप्ताह में केवल एक दिन ही सोनोग्राफी होती है। मगर जिला प्रशासन सहित विभाग के जिम्मेदार अधिकारी कोई पहल करने के बजाय केवल कागजी कार्रवाई करने तक ही सीमित हैं। कई बार तो मरीजों को बिना सोनोग्राफी के ही वापस लौटना पड़ता है या फिर बाहर प्राइवेट सेंटर से सोनाग्राफी करवाना पड़ रहा है।

दोनों ही दशाओं में मरीजों का खर्च बढ़ता है और दिक्कतों का भी सामना करना पड़ता है। जिला अस्पताल में सोनोग्राफी के लिए डाक्टर नहीं है। ऐसे में एक दिन सोनाग्राफी करने के लिए नवागढ़ के बीएमओ को जिला अस्पताल बुलाया जाता है। गर्भवती महिलाएं बडी संख्या में जिला अस्पताल पहुंचकर सोनोग्राफी का इंतजार करती हैं। घंटो इंतजार के बाद उन्हें पता चलता है कि आज उनकी सोनोग्राफी नहीं हो पाएगी। इसके लिए उन्हें अगले बुधवार को फिर आना पड़ेगा। वहीं कई गंभीर मरीज भी रहते हैं।

ऐसे में उन्हें प्राइवेट सोनोग्राफी सेंटर की ओर रूख करना पड़ता है। ऐसे में एक तरफ प्रशासन स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की बात कहता है वहीं दूसरी तरफ जिला अस्पताल में सालभर में एक रेडियोलाजिस्ट की भर्ती नहीं की जा सकी है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कितना गंभीर है।

प्राइवेट सेंटर में 1000 में जांच कराने मजबूर

जिला अस्पताल में सोनोग्राफी के लिए महिलाओं को एक हफ्ते तक इंतजार करना पड़ रहा है। गर्भवती महिलाओं से लेकर पेट की तकलीफ वाले मरीजों को इसके कारण परेशानी हो रहे है। इमरजेंसी केस वाले मरीज प्राइवेट सेंटरों पर 800 -1000 रुपए देकर सोनोग्राफी कराने को मजबूर

अनमोल वचन......

आपके शरीर की सबसे सुंदर चीज है मन इसे बुरे विचारों से मैला ना करें.....

आर्थिक चक्र कमजोर

अर्थव्यवस्था इस हद तक कैपेक्स पर निर्भर क्यों है। संकट के समय में आर्थिक हालात को संभालने के लिए यह रास्ता उचित माना जाता है। लेकिन सामान्य समय में भी यही तरीका बचा रहे, तो यही माना जाएगा सामान्य आर्थिक चक्र कमजोर हो चुका है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में बड़ी गिरावट आई। उसके पहले वाली तिमाही में ये दर 7.8 प्रतिशत थी, जो अप्रैल-जून में 6.7 फीसदी रह गई। इसका कारण बताते हुए भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा- यह गिरावट हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप है। चुनाव और सरकारी पूंजी खर्च (कैपेक्स) में कमी आने के कारण जीडीपी वृद्धि दर में गिरावट अपेक्षित थी।' लेकिन इस पर जोर देने की जरूरत है कि ऐसी अपेक्षा रहना ही आज भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी कमजोरी है। आखिर अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर इस हद तक कैपेक्स पर निर्भर क्यों है। और इस तरह सरकार कब तक आर्थिक वृद्धि की ऊंची दर बनाए रख सकेगी। सरकार जो रकम खर्च कर रही है, वह या तो किसी अन्य मद में कटौती करके या फिर ऋण लेकर जुटाया जाता है। संकट के समय में आर्थिक हालात को संभालने के लिए यह रास्ता उचित माना जाता है। लेकिन सामान्य समय में भी यही तरीका अर्थव्यवस्था की रीढ़ बना रहे, तो उसका सीधा अर्थ यह समझा जाएगा कि मांग- उपभोग- निजी निवेश- उत्पादन- बिक्री और मुनाफे का चक्र कमजोर हो चुका है।

किसी भी सोच के नजरिए से यह स्वस्थ स्थिति नहीं है। वैसे खुद नागेश्वरन ने ऐसे कई आंकड़ों का जिक्र किया, जिनसे भारतीय अर्थव्यवस्था की कमजोरी जाहिर होती है। मसलन, उन्होंने बताया कि 2023-24 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश गिर कर 26.6 बिलियन डॉलर रह गया, जबकि 2022-23 में यह 42 बिलियन डॉलर से ज्यादा था। उधर कृषि वृद्धि दर गिर कर दो प्रतिशत रह गई, जबकि 2023-24 की पहली तिमाही में यह 3.7 फीसदी थी। इन आंकड़ों के बावजूद नागेश्वर ने यह दावा दोहराते रहे कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत हाल में है और आने वाला समय बेहतर रहेगा। यह मुश्किलों या कमजोरियों पर परदा डालने की अधिकतम कोशिश के वर्तमान सरकार के नजरिए के अनुरूप ही है। मगर इससे समस्याएं हल नहीं हो जातीं। आज इस बात पर गंभीर बहस-मुबाहिशे की जरूरत है कि निजी निवेश का चक्का क्यों रफ्तार नहीं पकड़ रहा है।

राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। इस समय लोग बेहतरीन विचारों को सुनने जानने के लिए बहुत उत्सुक होंगे। आज आप लोगों से जो भी बात मनवानी है, आसानी से मनवा सकते हैं। अपने अधिकार जताने की प्रवृत्ति को नियंत्रण में रखें, यह आपके काम पर असर डाल सकती है। इस राशि के लोगों को आज किसी करीबी से कोई खुश-खबरी मिल सकती है।

वृष राशिः आज का दिन आपका खुशनुमा बना रहेगा। आज आपका रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी 7 आज आप अपने मन के आधार पर फैसले लेंगे। लेकिन वे सिर्फ पैसों के मामले में लाभकारी साबित होंगे7 आज सामने आयी सभी चुनौतियों का डटकर मुकाबला करेंगे तो सफलता भी हांथ लगेगी। लेकिन आपको भविष्य को बेहतर बनाने के लिए इस समय आलस्य को छोड़ना होगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको नौकरी के लिए अच्छी खबर मिल सकती है। आपको किसी कंपनी में इंटरव्यू के लिए बुलाया जा सकता है। इस राशि के उभरते हुए लेखकों के लिए आज का दिन एक बेहतरीन हो सकता है क्योंकि आपके लेख या आपकी पुस्तक किसी बड़े पब्लिशर के द्वारा प्रकाशित हो सकती है।

कर्क राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आप शाम का समय परिवारवालों के साथ बिताएंगे। इस राशि के जो लोग बिजनेस करते है आज उन्हें धनलाभ होने की उम्मीद है। लेकिन कोई डील करते समय बोलने से पहले सोच लें, कहीं ऐसा ना हो कि डील होने से पहले केंसिल हो जाएं। इ

सिंह राशिः आज जिस काम को पूरा करना चाहेगें वो आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी जरूरी काम के पूरा होने पर बधाईयां देने के लिए लोगों का आवागमन लगा रहेगा। आज किसी पुराने मित्र से मिलने उसके घर जा सकते हैं जहां आप निजी समस्याओं को लेकर बातचीत करेंगे। अगर पहले किसी रिश्तेदार से अनबन हुई है तो आज रिश्तों में सुधार लाने के लिए दिन अच्छा है। आज विरोधी आपसे दूरिया बनाकर रहेंगे।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। जिस काम को कई दिनों से पूरा करने की सोच रहें है वो आज किसी मदद से पूरा हो जाएगा। आज किसी दूसरे के काम में राय देने से बचें और साथ ही आज दूसरों से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें। इस राशि के जो लोग सोशल नेटवर्किंग से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन बढ़िया है। क

तुला राशिः आज आपका दिन खुशनुमा बना रहेगा। आज आप किसी काम को करते समय अपने मन को शांत रखें, तो आपका काम आसानी से सफल होगा। अगर आप जल्दी मचाएंगे तो सब गड़बड़ हो जाएगा। इस राशि के जो लोग अविवाहित हैं आज उनके लिए रिश्तें आ सकते हैं। परिवार वालें आपके विवाह की प्लानिंग करेंगे।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया है। जिन चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे हैं, आज पूरे होने वाली हैं 7 जिन कोशिशों को आप अपनी ओर से व्यर्थ मान चुके थे, वे आज सफल होंगी7 इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं, हो सकता है

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहेगा। आज आपके मन में नए विचार आयेंगे, हो सकता है किसी नए बिजनेस की शुरुआत करें, जिससे भविष्य में आपको फायदा होगा। आज परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभाएंगे। इस राशि के कॉन्ट्रेक्टर के लिए आज का दिन अच्छा होगा, हो सकता है कि आपको आज कोई नया कॉन्ट्रेक्ट मिलेगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। आज का दिन यात्रा में बितेगा। ये यात्रा में ऑफिस के काम से रिलेटेड हो सकती है। यात्रा के दौरान किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है। जिससे आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। किसी कम्पनी से जॉब के ईमेल आ सकती है। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। कम्पटीटिव एग्जाम से रिलेटेड कोई शुभ समाचार आपको मिल सकता है। लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है।

कुंभ राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका रुझान आध्यात्म की तरफ रहेगा मंदिर जाने या किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकते हैं। आज आनंद की प्राप्ति के लिए आपको अपने स्वभाव में थोड़ा परिवर्तन लाने की जरूरत है। निश्चित ही घर में खुशियों का आगमन होगा। पारिवारिक सम्बन्धी परेशानियां आज खुद-ब-खुद दूर हो जाएगी। जिससे आप आनन्द महसूस करेंगे। आज के दिन कोई करीबी आपकी खुशियों को दोगुना कर देगा।

मीन राशिः आज आपकी किस्मत आपका पूरा साथ देगी। आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी अच्छे तरीके से काम करेंगे। आप अपने माता-पिता या बहन भाइयों के साथ भी समय बिता सकते हैं। ऑफिस में कोई नया काम करने का मौका मिल सकता है।

उत्तराखण्ड में हो रहे सांप्रदायिक अपराध और उसका निराकरण

//प्रवीण गुगनानी//

इस प्रकार की घटनाओं के बढ़ते जाने पर उत्तराखण्ड की पुष्कर सिंह धामी की सरकार इन घटनाओं का संज्ञान लेती है और स्थिति को समझती है। बात बहुत आगे बढ़ चुकी होती है किंतु पुष्कर सिंह इसे अपनी तेज कार्य योजना से रोकने का प्रयास कर रहे हैं।

श्यामपुर उत्तराखण्ड का एक सुंदर सा गाँव हैं। वहाँ सभी लोग सुख-शांति से अपना जीवन यापन कर रहे होते हैं। अचानक वहां गाँव के किनारे पर एक फ़क़ीर आकर मिट्टी का एक ढेर बनाता है उस पर चादर डालता है और फिर उसके बग़ल में एक झोपड़ी बनाकर रहने लग जाता है। अब श्यामपुर के लोग आते जाते लोगों को वह फ़क़ीर या मज़ार का ख़ादिम बहलाता-फुसलाता है और लोग वहाँ माथा टेकने लगते हैं। लोगों की श्रद्धा को बढ़वाकर वह ख़ादिम दूसरे चरण में भोले-भाले ग्रामीणों से कहता है कि वे अपने खेत में ही एक छोटे से कोने कहीं मज़ार बना देंगे तो वह आकर उस मज़ार पर नमाज़ पढ़कर उसे भी सिद्ध बना देगा। ख़ादिम के बहकावे में आकर वह ग्रामीण ऐसा ही करता है और अपने खेत में मज़ार बनाकर वहाँ प्रतिदिन दिया-बत्ती करने लग जाता है। लोगों का आना जाना बढ़ता है तो वहाँ एक दानपेटी रख दी जाती है। अब ख़ादिम हर सप्ताह आकर उस दानपेटी से राशि निकालकर ले जाता है। शनैः-शनैः वह ख़ादिम, उसी ग्रामीण के पैसों से मज़ार पर टिन डलवा देता है उसे पक्का निर्माण करवा देता है। इधर मज़ार पर लोगों का आना-जाना बढ़ता है उधर गाँव में कुछ और मुस्लिम परिवार आकर बसने लगते हैं और मज़ारें भी बढ़ने लगती है। अचानक गाँव में लव जिहाद की घटनाएँ बढ़ने लगती हैं। गाँव की लड़कियों मुस्लिम लड़कों के झाँसे में आकर अपना सर्वस्व उन्हें सौंपने लगती है। अब गाँव में कभी गर्भस्थ होने से, कभी इज्जत के डर से, कभी मज़ार के ख़ादिम के नाराज़ होने के डर से तो कभी बाहुबल के सहारे हिंदू लड़कियां मुस्लिम लड़कों से निकाह करने लगती हैं। कभी-कभी तो इस कार्य में हिंदू लड़कियों के परिवार भी दबाव में आकर सहमति देने लगते हैं।

इस कथा में केवल गाँव का नाम काल्पनिक है बाक़ी सब जो लिखा है वह उत्तराखण्ड के कई-कई ग्रामों की स्थिति का सच्चा कच्चा-चिट्ठा है। उत्तराखण्ड में लैंड जिहाद, लव जिहाद, मतांतरण, व्यापार जिहाद इसी प्रकार हज़ारों ग्रामों में अपने पैर पसार चुका है। इस प्रकार की घटनाओं के बढ़ते जाने पर उत्तराखण्ड की पुष्कर सिंह धामी की सरकार इन घटनाओं का संज्ञान लेती है और स्थिति को समझती है। बात बहुत आगे बढ़ चुकी होती है किंतु पुष्कर सिंह इसे अपनी तेज कार्य योजना से रोकने का प्रयास कर रहे हैं। उत्तराखण्ड सरकार का बुलडोज़र चलने लगता है और ऐसी सैकड़ों नक़ली मज़ारों पर बुलडोज़र चलाकर मज़ारों को ध्वस्त करके मज़ार के आसपास क़ब्ज़ा की गई सैंकड़ों-हज़ारों एकड़ ज़मीन को भी इन ख़ादिमों से मुक्त कराता है। अब शासन-प्रशासन के देखने में यह भी आता है कि शासकीय ही नहीं बल्कि निजी ज़मीन पर भी ये दिखावटी और अपराधी प्रकार के ख़ादिम मज़ारों के सहारे क़ब्ज़ा किए बैठे होते हैं। इन ज़मीनों के हिंदू जनजातीय स्वामी इन अपराधी ख़ादिमों के बहकावे में आकर, जिन्न-जिन्नात के प्रकोप के भय से अपनी ज़मीनें, पैसा, लड़कियां सब कुछ इन अपराधी ख़ादिमों को दे रहे होते हैं। पिछले दिनों देहरादून के समीप पछुवा नामक ग्राम में ऐसे दो प्रकरण देखने में आए थे, जब अवैध मजार को हटाने गये प्रशासन को हिंदू समाज के जनजातीय और अनुसूचित जाति के लोगों ने रोकने का प्रयास किया। इन भोले-भाले हिंदू ग्रामीणों का कहना था कि ये मज़ारें तो उन्होंने स्वयं अपनी मन्नत पूर्ण होने पर बनवाई है। प्रशासन जब मामले की गहराई में गया तो ग्रामीणों ने बताया कि - उनको किसी कष्ट के निवारण के लिए ख़ादिम ने मजार पर बुलाया तो वे गये थे। इसके बाद वहाँ के ख़ादिम ने उन्हें बहला-फुसलाकर मन्नत करवा ली और उनसे कहा कि आप की इच्छा पूरे होने पर चादर चढ़ाना और अपनी जमीन पर बाबा का मजार बनवा देना फिर आपको इतनी दूर यहाँ आने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी और मज़ार के कारण आपका खेत भी दोगुनी उपज देने लगेगा। कहीं-कहीं तो इन अपराधी ख़ादिमों ने भोले-भाले ग्रामीणों से उनके मंदिरों को ही मज़ार में बदल देने और पूजा पद्धति को बदलने हेतु भयभीत करके तैयार करवा लिया था। कई स्थानों पर निजी ज़मीनों पर बनी इन मज़ारों के पास अन्य मुस्लिम परिवार मित्र बनकर बस जाते और इसके बाद सभी प्रकार के अपराध वहाँ होने लगते। भोले भाले जनजातीय और अनुसूचित जाति के हिंदू ग्रामीण अपनी ज़मीन और लड़कियों को अपने हाथों से छूटते हुए देखते और हाथ मलते ही रह जाते थे।

उत्तराखण्ड की पुलिस ने जब इन मज़ारों की जाँच की तो इसके पीछे एक संगठित गिरोह के सक्रिय होने की बात सामने आई। यह गिरोह बेरोज़गार मुस्लिमों को ख़ादिमों के कपड़े पहनवाकर, थोड़ा-बहुत बोलने और झाड़ने फूंकने का प्रपंच सिखाकर लैंड जिहाद व लव जिहाद हेतु तैयार करवाकर इस प्रकार की घटनाएँ करवाता था और बड़ी मात्रा में आस्था के नाम पर लोगों से पैसा भी निकलवा लेता था। बड़ी संख्या में इन मज़ारों पर हिंदू बंधु जाने लगते और धन, संपत्ति, ज़ेवर, खाद्यान्न, फल आदि चढ़ाने लगते। इस चढ़ावे से फलते-फूलते वहाँ के ख़ादिम अपनी मज़ार की दूसरी-तीसरी-चौथी ब्रांच खोलते जाते थे। कालू शाह, भूरे शाह, बुल्ले शाह और न जाने कौन-कौन से शाहों के नाम पर पर ये मज़ारें बनाई जाती और कमाई होने पर यहाँ के अपराधी ख़ादिम बग़ल के गाँव में जाकर अपनी फ़्रेंचायजी जैसी एक और मज़ार बनवा लेते थे।

उत्तराखण्ड की पुष्कर सिंह सरकार पर आरोप लग रहें है कि वह दुराग्रह पूर्वक मज़ारों पर बुलडोज़र चला रही है, किंतु सच्चाई कुछ और ही है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के 20 जून 2009 के निर्णय के अनुसार कोई भी धार्मिक स्थल का निर्माण, पुनर्निर्माण या जीर्णोद्धार बिना जिला कलेक्टर की अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है। भूमि के दस्तावेज की प्रति के साथ कलेक्टर को आवेदन देकर और अनुमति लेकर ही यह कार्य किया जा सकता है। पुष्कर सिंह धामी ने इसी न्यायलीन आदेश का पालन करते हुए तीन सौ से अधिक अवैध मज़ारों को ध्वस्त किया है। ऐसे पचासों मंदिरों को और एक गुरुद्वारे को भी धामी सरकार ने तोड़ दिया है और शासन की पाँच हज़ार एकड़ ज़मीन को 'लैंड जिहाद' से मुक्त कराया है। उत्तराखण्ड राज्य सरकार ने मई 2023 तक कुल मिलाकर 3,793 ऐसे क्षेत्रों की पहचान की है जहां मज़ारों के माध्यम से लैंड जिहाद किया गया है। नैनीताल आश्चर्यजनक रूप से इस कुचक्र का शीर्ष है जहां चौदह सौ तैंतीस स्थान और हरिद्वार भी जहां साढ़े ग्यारह सौ स्थानों पर अतिक्रमण करके मज़ारों के सहारे क़ब्ज़े किए गए थे। और भी ज़िलों में यह कहानी बड़े स्तर पर सामने आई है। उत्तराखण्ड में ऐसे अवैध ढाँचों के सहारे लगभग बारह हज़ार हेक्टेयर भूमि अब भी इन कथित ख़ादिमों के पास है, जिसे मुक्त कराया जाना है।विशेष बात यह है कि उत्तराखंड में इस अभियान को सांप्रदायिक कहकर पुष्कर सिंह सरकार के विरुद्ध वातावरण तैयार किया जा रहा है। मुस्लिम समाज का प्रबुद्ध, धनाड्य वर्ग व मज़हबी नेता भी मज़ारों के माध्यम से अपराध कर रहे इन तथाकथित ख़ादिमों की आलोचना नहीं कर रहें है। मुस्लिम समाज के प्रबुद्ध व अमनपसंद नागरिकों, नेताओं व मज़हबी नेताओं को इस दिशा में आगे आना चाहिये व मज़हब के नाम पर अपराध कर रहे इन लोगों के विरुद्ध फ़तवा जारी करवाना चाहिये। इसके स्थान पर, उत्तराखण्ड का मुस्लिम समाज इन अपराधियों के पक्ष में बन्द, धरने, प्रदर्शन व जुलूस निकालने में रुचि ले रहा है, यह दुखद स्थिति है।

मुस्लिम बीएलओ को हटाया जाना क्यों और क्या

//अजय दीक्षित//

खबर है कि उत्तर प्रदेश में मुस्लिम बी.एल.ओ. को ड्यूटी से हटाया जा रहा है। इलेक्शन कमिशन ने वोटरों की सुविधा के अनुसार हर मतदान केन्द्र पर ब्लॉक लेवल अफसरों की नियुक्ति की है। इनका काम वोटर लिस्ट को अपडेट करना, हर मतदाता को पर्ची बांटना और उस बूथ के वोटरों की अन्य प्रकार से सहायता करना है। इससे इलेक्शन कमीशन को विश्वास है कि मतदान प्रतिशत बढ़ेगा।

दुनिया के कुछ ही देशों में मतदान अनिवार्य है। उन देशों में यदि मतदाता वोट डालने नहीं जाता तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक करवाई होती है। परन्तु बहुत से विकसित देशों में वोटर स्वतः ही वोट डालने जाते हैं। अधिकांश विकासशील व पिछड़े देशों में वोटरों का प्रतिशत 50त्नसे अधिक नहीं है जो वोट डालने जाते हैं। भारत में चुनाव आयोग व्यापक इंतजाम करता है। हर बूथ पर छाया, पीने का पानी, अशक्तों के लिए रैम्प आदि की सुविधा का प्रावधान है। परन्तु हकीकत यह है कि असल में ये सुविधाएं वास्तव में कितनी हैं, यह एक सर्वे से मालूम पड़ जायेगा।

हमारे अधिकारियों को आदेश देने की आदत है। वे वास्तव में भ्रमण करके जमीनी हकीकत नहीं जानना चाहते। मोदीजी गुलाम मानसिकता को मिटाने की बात करते हैं। क्रांतिकारियों के साथ अंग्रेजों ने बहुत कठोर दुर्व्यवहार किया था। उन्हें फांसी पर चढ़ा दिया था। परन्तु प्रशासन में वे जनता के हित में काम करते थे। भारत की भाषाओं का सर्वे अंग्रेज अधिकारी ने किया था। यहां की जनजातियों के रीति रिवाजों और प्रथाओं का अध्ययन भी अंग्रेज नकरशाही ने किया था। वे 10.00 बजे दफ्तर पहुंचते थे क्योंकि वे रात को जश्न मनाते थे तो देर से सो कर उठते थे। हम अभी भी 10.00 बजे दफ्तर खोलते हैं जबकि उत्तर पूर्व के राज्यों में सुबह 4.00 बजे सूर्य चमकने लगता है। अधिकांश भागों में 10.00 बजे तक तो आधा दिन बीत जाता है। अंग्रेज कलेक्टर सुबह 4.00 बजे घोड़े पर सवार होकर लोगों की समस्या को जानते थे। अब तो कलेक्टर यदि कोई मीटिंग बुलाता है, और कोई उसमें अनुपस्थित रहता है तो उसे तत्काल निलंबित कर दिया जाता है बिना कारण जाने। किसी के घर में कोई गम्भीर हादसा हो गया, कोई बीमार पड़ गया, कोई आपदा आ गई, इसकी जानकारी नहीं ली जाती है।

हम बात बी.एल.ओ. की कर रहे थे। ज्यादातर इसमें सरकारी शिक्षकों को लगाया गया है। उन्हें शायद कुछ पारिश्रमिक मिलता है, परन्तु वे शायद ही कभी किसी वोटर को कहते होंगे कि किसे वोट दें। ज्यादातर बी.एल.ओ. महिलाएं हैं। उनके पति उनके स्थान पर काम करते हैं। हम विश्व गुरु बनना चाहते हैं और शिक्षक शिक्षिकाओं को वोटर के घर-घर जाने का काम सौंपते हैं। ज्यादातर बी.एल.ओ. इससे मुक्ति चाहते हैं।

असल में 4 जून के परिणाम के बाद भाजपा में हलचल है। उसका 370 का नारा और 400 पार का नारा सफल नहीं हुआ। अब केन्द्र में भाजपा की सरकार न होकर एन.डी.ए. की सरकार है। उत्तरप्रदेश में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। योगी जी के खिलाफ उसके ही दो उपमुख्यमंत्री रहे हैं। अब आर.एस.एस. के निर्देश पर जरूर ऊपरी तौर पर समझौता हो गया लगता है और केशव प्रसाद मौर्य कहते हैं कि योगी जी देश के सबसे कुशल मुख्यमंत्री हैं। चर्चा यह भी है कि शाह और योगी जी में 36 का आंकड़ा है। उत्तर प्रदेश में 10 सीटों पर विधायकी को लेकर उपचुनाव है। इसमें एक-एक सीट पर योगी जी ने 30-30 मंत्रियों को उतार दिया है। अब मुस्लिम बी.एल.ओ. को हटाकर शायद दिवा स्वप्न देखा जा रहा है कि सभी 10 सीटें बीजेपी जीत जायेगी। असल में उत्तरप्रदेश में इन 10 सीटों के लिए सपा और कांग्रेस में समझौता हो गया है जो बीजेपी के लिए मुश्किल पैदा कर सकता है। सुकून की बात यह है कि विपक्ष के वोट मायावती की बहुजन समाज पार्टी काटेगी। इससे भाजपा को ज्यादा फायदा होगा। मुस्लिम बी.एल.ओ. तो खुश ही होंगे कि उन्हें इस कार्य से मुक्ति मिल गई। असल में कोई भी बी.एल.ओ. यह काम करना नहीं चाहता और इससे छुटकारा चाहता है। हमारे राजनेता महलों में रहकर दिन में सपने देखते हैं अच्छा हो उन्हें ज़मीनी हक़ीक़त मालूम हो।

गठबंधन की एकजुटता भाजपा की नींद उड़ाई

भाजपा की रणनीति में एक खास बात यह है कि वह इस बार अपने दम पर वोट लेकर चुनाव जीतने की बजाय विपक्षी गठबंधन इंडिया' के वोट बंटवाने की राजनीति पर ज्यादा ध्यान दे रही है। हर जगह नई पार्टियां खड़ी हो गई हैं। हालांकि भाजपा के नेता कह सकते हैं कि उनका इन पार्टियों से कोई लेना देना नहीं है। लेकिन असल में कहीं न कहीं इन पार्टियों के पीछे भाजपा की ताकत दिख रही है। असल में लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन की एकजुटता का जैसा लाभ कांग्रेस और अन्य पार्टियों को मिला है उसने भाजपा की नींद उड़ाई है। आखिर साथ लड़ कर कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन 204 सीट जीत गया। उसमें ममता बनर्जी के 29 सीट जुड़ते हैं तो विपक्ष 233 सांसदों वाला हो जाता है। भाजपा को पता है कि उसके वोट में इजाफा नहीं होना है। इसलिए विपक्ष का वोट बंटे तभी उसकी जीत की आस बनती है। तभी सभी राज्यों में नए नेता या नई पार्टियां उभारी जा रही हैं या ऐसे गठबंधन बनवाए जा रहे हैं, जिनसे विपक्ष के वोट कटें। मिसाल के तौर पर हरियाणा में दोनों जाट राजनीतिक करने वाली पार्टियां यानी इंडियन नेशनल लोकदल और जननायक जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में दलित राजनीति करने वाली दो पार्टियों से तालमेल कर लिया है। हरियाणा की दोनों प्रादेशिक पार्टियां भाजपा की सहयोगी रही हैं। इनेलो ने बसपा से और जजपा ने चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी से तालमेल किया है। ध्यान रहे हरियाणा में 21 फीसदी के करीब दलित आबादी है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा, उदयभान और कुमारी शैलजा की वजह से कांग्रेस का जाट और दलित समीकरण बना है। लेकिन इनेलो और जजपा के गठबंधन से इसे नुकसान पहुंचाने का प्रयास हो रहा है।

इसी तरह जम्मू कश्मीर में गुलाम नबी आजाद आगे किए गए थे। परंतु उनको वास्तविकता समझ में आ गई है तो वे खराब सेहत के आधार पर पीछे हट गए हैं और कह दिया कि पार्टी के दूसरे नेता नेतृत्व करें। फिर भी सज्जाद लोन की जम्मू कश्मीर पीपुल्स कांफ्रेंस और अल्ताफ बुखारी की अपनी पार्टी से भाजपा को कुछ उम्मीद है। जेल में बंद इंजीनियर राशिद की आवामी इत्तेहाद पार्टी भी घाटी में नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस का वोट काट सकती है। उधर झारखंड में जयराम महतो एक नए खिलाड़ी उभरे हैं, जिन्होंने लोकसभा चुनाव में अच्छी खासी संख्या में महतो वोट काट लिया था। इस बार उनके चुनाव लडने की खबर है। इससे महतो वोट कई हिस्सों में बंटने की उम्मीद भाजपा कर रही है, जो आमतौर पर जेएमएम और आजसू के साथ जाता है।

तस्वीरों की दुनिया

गोला-बारूद सह टारपीडो सह मिसाइल बजरा, एलएसएएम 21 (यार्ड 131), 11 एक्स एसीटीसीएम बजरा परियोजना का 7वां बजरा, जिसे भारतीय नौसेना के लिए एमएसएमई शिपयार्ड मेसर्स सूर्यदीप्ता प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित किया गया है,लॉन्च समारोह के दौरान देखा गया।

पहलवान विनेश फोगट और बजरंग पुनिया नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हुए।

महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने मुंबई में पेट्रोल-डीजल-एलपीजी की बढ़ती कीमतों, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ खर्चे पे चर्चा अभियान की शुरुआत की।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक लखनऊ के कैंट विधानसभा क्षेत्र के ए.के.डी. स्कूल में आयोजित प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर जिले में नवनिर्मित विश्व के पहले जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान एक तस्वीर लेते हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में 2024 के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों के साथ बातचीत की।

आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने नई दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा आप विधायक अमानतुल्लाह खान की कथित गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

विमान में बम की धमकी से मचा हड़कंप, मुंबई से फ्रैंकफर्ट जा रही विस्तारा की फ्लाइट डायवर्ट

मुंबई, 07 सितम्बर [एजेंसी]।

हवाई अड्डे से फ्रैंकफर्ट के लिए उड़ान भरने वाली विस्तारा की उड़ान को शुक्रवार को सुरक्षा चिंता के कारण तुर्की की ओर मोड़ दिया गया। उड़ान में बम की धमकी मिली थी। सूत्रों के मुताबिक, विमान में सवार सभी 247 यात्री सुरक्षित हैं और स्थानीय अधिकारी उनके संपर्क में हैं। सभी यात्रियों को विमान से उतार दिया गया और तुर्की के एरज़ुरम हवाई अड्डे पर उतरने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया। सूत्रों के मुताबिक एक कागज के टुकड़े पर संदेश लिखा मिला था कि विमान में बम है। वह कागज एक यात्री को मिला था, यात्री ने इसे चालक दल के सदस्य को सौंप दिया और पायलट सतर्क हो गया। लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को विमान से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। विस्तारा के प्रवक्ता के अनुसार, 6 सितंबर, 2024 को मुंबई से फ्रैंकफर्ट के लिए संचालित होने वाली विस्तारा की उड़ान यूके 27 को एक सुरक्षा चिंता के कारण तुर्की की ओर मोड़ दिया गया था, जिसे हमारे चालक दल ने जहाज पर चढ़ते समय नोट किया था। विमान सुरक्षित रूप से एरज़ुरम हवाई अड्डे पर उतर गया है। प्रोटोकॉल के अनुसार, संबंधित अधिकारियों को तुरंत सतर्क कर दिया गया और हम अनिवार्य सुरक्षा जांच को पूरा करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं।

विस्तारा में, हमारे ग्राहकों, चालक दल और विमानों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।इससे पहले, विस्तारा एयरलाइंस ने घोषणा की थी कि उसकी मुंबई-फ्रैंकफर्ट उड़ान, जिसे सुरक्षा चिंताओं के कारण तुर्की की ओर मोड़ दिया गया था, तुर्की में सुरक्षित रूप से उतर गई है।

मणिपुर के पूर्व सीएम के घर पर रॉकेट हमले में बुजुर्ग की मौत, पांच घायल; आज स्कूल रहेंगे बंद

इंफाल 7 । मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में शुक्रवार दोपहर उग्रवादियों ने एक आवासीय क्षेत्र में रॉकेट से हमला किया। हमले में एक बुजुर्ग की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री मैरेमबाम कोइरेंग के आवासीय परिसर में रॉकेट गिरा। हमले के समय पूर्व मुख्यमंत्री और उनके परिवार का कोई सदस्य घर में मौजूद नहीं था।इस घटना के बाद मणिपुर सरकार ने शनिवार को स्कूल बंद रखने की घोषणा की है। एक अधिकारी ने बताया कि जिस समय बम विस्फोट हुआ उस समय बुजुर्ग परिसर में कुछ धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी कर रहे थे। उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। विस्फोट से 13 साल की एक लड़की समेत पांच अन्य घायल हो गए। रॉकेट आइएनए मुख्यालय से करीब दो किलोमीटर दूर गिरा था। इससे पहले शुक्रवार सुबह ऊंचे स्थान से त्रोंग्लाओबी के निचले आवासीय क्षेत्र की ओर राकेट दागा गया। पुलिस ने बताया कि राकेट की रेंज तीन किलोमीटर से ज्यादा होने का अनुमान है।राज्य में हाल ही में ड्रोन एवं बंदूक से हुए हमले के विरोध में इंफाल घाटी के पांच जिलों के हजारों लोगों ने शुक्रवार को मानव श्रृंखला रैली में भाग लिया। हमलों में दो लोगों की मौत और 12 अन्य घायल हो गए।

यहां गणेश जी को चिट्ठी भेजते ही मनोकामना होती है पूरी, 700 साल पुरानी है प्रतिमा

इंदौर, 07 सितम्बर [एजेंसी]।

राजस्थान के कोटा के विश्व प्रसिद्ध खड़े गणेश मंदिर की तरह ही इंदौर के रावजी बाजार में 700 वर्ष पुरानी खड़े गणेश की नृत्य मुद्रावाली पांच फीट ऊंची प्रदेश की एकमात्र मूर्ति है। चिंताहरण गणेश के नाम से प्रसिद्ध खड़े गणेश की यह मूर्ति 300 वर्ष पुराने मंदिर में विराजमान है। आमतौर पर गणेश मंदिरों में भगवान गणेश के बैठे हुए स्वरूप के दर्शन होते हैं, लेकिन यहां वे नृत्य मुद्रा में विराजित हैं। मूर्ति का निर्माण उस समय हर माह पुष्य नक्षत्र आने पर ही कारीगर द्वारा किया गया था। मंदिर की वर्तमान इमारत का निर्माण जमींदार परिवार द्वारा इंदौर स्थापना के कुछ अरसे पश्चात हुआ था।चांदी के आवरण वाले गर्भगृह में लोग घरों में होने वाले मांगलिक कार्यों के लिए उनकी पूजा-अर्चना करते हैं। मनोकामना पूर्ति के लिए श्रद्धालु यहां तीन या सात परिक्रमा लगाते हैं। मंदिर ट्रस्ट के सचिव राजेंद्र व्यास बताते हैं कि पुराने दौर मे पिछले बड़े दरवाजे के पास से कलकल बहती कान्ह नदी इसे शोभायमान बनाती थी।पहले पुजारी ब्रह्मलीन पं. शालिग्राम शास्त्री (पुराणिक) कहते थे कि शयन आरती के दौरान भक्तों को गणेश नृत्य मुद्रा की अनुभूति होती थी। श्रद्धालु गणनायक के नाम चिट्ठी भेजते हैं और उनकी मनोकामना पूरी होती है।

गणेश व्रत संकल्प पूर्ण होने पर अनुष्ठान होता है। भक्त कलावा बंधवाकर ग्रहण करते हैं प्रसाद भक्त मंडल के निलेश तिवारी बताते हैं कि विवाह तथा उपनयन संस्कार की पत्रिका यहां भी प्रेषित की जाती है। गणपति के आशीर्वाद से सभी मांगलिक कार्य निर्विघ्न संपन्न होते हैं। भक्त कलावा बंधवाकर प्रसाद ग्रहण करते हैं। गर्भगृह में प्रवेश हेतु नियम पालन आवश्यक है। बुधवार और प्रतिमाह की चतुर्थी पर विशेष साज-सज्जा होती है। हार-फूल के साथ पान के पत्ते भोग स्वरूप अर्पित किए जाते हैं। यहां से बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन की दूरी दो-ढाई किलोमीटर है।

उत्कल एक्सप्रेस में दिव्यांग महिला से दुष्कर्म, पेंट्रीकार कर्मचारी गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम, 07 सितम्बर [एजेंसी]।

ओडिशा के पुरी से योग नगरी ऋषिकेश जा रही उत्कल एक्सप्रेस में एक दिव्यांग महिला यात्री के साथ पेंट्रीकार कर्मचारी द्वारा दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। महिला अपने पुत्र के साथ सफर कर रही थी। गुरुवार-शुक्रवार की रात करीब ढाई बजे जब वह शौचालय गई तो पेंट्रीकार कर्मचारी रामजीत सिंह ने वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान विरोध करने पर पेंट्रीकार कर्मचारी ने महिला के साथ मारपीट भी की।महिला की चीख-पुकार पर यात्रियों ने आरोपित रामजीत सिंह को पकड़ लिया और चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर जीआरपी के हवाले कर दिया। जीआरपी प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पीड़ित महिला ने बताया कि वह अपने बेटे के साथ झांसी जाने के लिए भुवनेश्वर स्टेशन से ट्रेन पर सवार हुई। ट्रेन में सफर के दौरान उसके साथ पेंट्रीकार का कर्मचारी रामजीत सिंह गलत व्यवहार कर रहा था। रात के ढाई बजे जब वह शौचालय गई तो रामजीत सिंह उसके पीछे-पीछे गया और शौचालय के अंदर धकेलकर दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद दुष्कर्म किया।महिला ने बताया कि आरोपित रामजीत सिंह नशे में था। आरोपित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए महिला को भी चक्रधरपुर स्टेशन पर उतारा गया। चक्रधरपुर जीआरपी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही। चक्रधरपुर में जीओ एफआईआर दर्ज कर क्योंझर जीआरपी को सूचना दी गई है। यात्रियों ने आरोप लगाया कि घटना के समय ट्रेन में आरपीएफ की स्कॉट पार्टी नहीं थी।

हरियाणा में कांग्रेस उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी, देखें किस प्रत्याशी को कहां से मिला टिकट

पंचकूला, 07 सितम्बर [एजेंसी]।

हरियाणा में लंबे इतंजार और मंथन के बाद कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में कांग्रेस ने 31 उम्मीदवारों का ऐलान किया है। जारी लिस्ट के अनुसार विनेश फोगाट जुलाना से चुनाव लड़ेंगी। वहीं सीएम नायब सैनी के खिलाफ लाडवा से पार्टी ने मेवा सिंह को टिकट दिया है। हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदयभान होडल से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। प्रत्याशियों के नामों को लेकर दिल्ली में कई दिनों से कांग्रेस सीईसी की बैठक चल रही थी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में आज भी बैठक का आयोजन हुआ। जिसके बाद 31 प्रत्याशियों के नाम तय किए गए। बैठक में मल्लिकार्जुन खरगे के साथ राहुल गांधी, सोनिया गांधी और भूपेंद्र हुड्डा सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल थे। जारी सूची में विनेश फोगाट का नाम भी शामिल हैं। वह जुलाना विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ेंगी। आज ही विनेश ने बजरंग पूनिया के साथ नई दिल्ली में कांग्रेस ज्वाइन की थी। कालका- प्रदीप चौधरीनारायणगढ़- शैली चौधरीसदौरा

(एससी)- रेणू बालारादौर- बिश्नलाल सैनीलाडवा- मेवा सिंहशाहबाद (एससी)- राम करणनीलोखरी (एससी)- धर्मपाल गोंडरअसंध- शमशेर सिंह गोगीसमालिखा-धर्मसिंह चौखरखरखौदा (एससी)- जसवीर सिंहसोनीपत- सुरेंद्र पंवारगुहाना- जगबीर सिंह मलिकबरोदा- इंदुराज सिंहजुलाना- विनेश फोगाटसफीदों- सुभाष गंगोलीकलनवाली (एससी)- शीशपाल सिंहडबवाली- अमित सिहागगड़ी सांपला किलोई- भूपिंदर सिंह हुड्डारोहतक- भारत भूषण बत्राकलनौर (एससी)- शकुंतला खटकबहादुरगढ़- राजिंद्र सिंह बादली- कुलदीप बत्सझज्जर (एससी)- गीता भुक्कलबेरी- रघुवीर सिंहमहेंद्रगढ़- राव दान सिंहरिवाड़ी- चरनजीव रावनूंह- अफताब अहमदफिरोजपुर झिरका- मामन खानपुनहाना- मोहम्मद इलियासहोडल (एससी)- उदयभानफरीदबाद एनआईटी- नीरज शर्मावहीं दूसरी ओर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन पर बातचीत नहीं बनती दिखी।

जानकारी के अनुसार, कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन में जो दो अहम पेंच फंसे हुए। उनमें पहला यह है कि आप राज्य में सात सीटों की मांग कर रही है, जबकि कांग्रेस उसे तीन-चार सीटों से ज्यादा देने को तैयार नहीं है। दूसरा पेंच यह है कि कांग्रेस उसे शहरी क्षेत्रों की सीटें ऑफर कर रही है, जो आम आदमी पार्टी नहीं चाह रही है। वजह शहरी क्षेत्रों में भाजपा की मजबूती है। जिसके कारण आप इन सीटों को लेकर कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है। वह चाहती है कि उसे वे सीटें दी जाएं, जहां जीत पक्की हो। हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में वोटिंग होनी है। जहां पहले वोटिंग की तारीख एक अक्टूबर थी और मतगणना की तारीख 4 अक्टूबर थी। वहीं अब यह तारीख बदलकर पांच अक्टूबर कर दी गई।

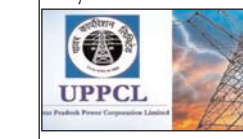

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में ऊर्जा क्षेत्र पर होगा विशेष फोकस, UPPCL और PNEDA करेंगे पवेलियन का संचालन

लखनऊ, 07 सितम्बर [एजेंसी]।

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर के बीच आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2024 में उत्तर प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र की व्यापक उपस्थिति दर्ज कराने की कार्ययोजना पर अमल किया जा रहा है। इस क्रम में उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) व उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) पवेलियन का संचालन करेंगे। इसके माध्यम से प्रदेश के ऊर्जा परिदृश्य और खासतौर पर सौर व स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्रों की प्रगति, निवेश के अवसर, क्रियान्वित परियोजनाओं की जानकारियां दुनियाभर से आने वाले आगंतुकों से साझा की जाएगी।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में दुनिया के 72 देशों को खरीदार, निवेशक और कंपनियों का जुटाना होगा, जिससे वैश्विक बाजार में उत्तर प्रदेश के उत्पादों की मांग बढ़ेगी और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के अवसर उत्पन्न होंगे। ट्रेड शो में प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियों, निवेश के अवसरों समेत विभिन्न परियोजनाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। प्रदेश में संचालित सौर व स्वच्छ ऊर्जा कार्यक्रमों, उपलब्धियों, निवेश के अवसर, निवेश नीतियों, सोलर रूफ टाप, सोलर सिटी समेत तमाम परियोजनाओं की जानकारी भी यूपीनेडा द्वारा दी जाएगी। यूपीपीसीएल तथा यूपीनेडा द्वारा बनाए जा रहे पवेलियन में वीवीआईपी लाउंज भी होगा। इस लाउंज को निवेशकों के साथ बैठकों के लिए विशेष रूप से बनाया जा रहा है।

यू-ट्यूब चैनल बंद करने की जमानत शर्त पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक, कहा- आप ऐसे साक्षात्कार क्यों करते हैं

नईदिल्ली, 07 सितम्बर [एजेंसी]।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मद्रास हाई कोर्ट के उस निर्देश पर रोक लगा दी जिसमें जमानत की एक शर्त के तौर पर यू-ट्यूबर फेलिक्स जेराल्ड को अपना चैनल रेडपिक्स 2437 बंद करने के लिए कहा गया था। जेराल्ड को एक अन्य यू-ट्यूबर सुवुक्कु शंकर का अपने यू-ट्यूब चैनल पर आपत्तिजनक साक्षात्कार करने के लिए गिरफ्तार किया गया था। इस साक्षात्कार में शंकर ने मद्रास हाई कोर्ट के जजों एवं राज्य की महिला पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध कुछ टिप्पणियां की थीं।हाई कोर्ट ने दोनों यू-ट्यूबर्स को जमानत देते हुए जेराल्ड को एक शर्त के रूप में अपना चैनल बंद करने के लिए कहा था।

सुप्रीम कोर्ट में प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला व जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया और चैनल बंद करने के निर्देश पर रोक लगा दी।

पीठ ने जेराल्ड को जमानत की अन्य शर्तों का पालन करने का निर्देश भी दिया। इस दौरान जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा, आप न्यायपालिका और सभी महिला आइपीएस अधिकारियों के खिलाफ मिथ्या आरोप लगा रहे हैं। आप ऐसे साक्षात्कार क्यों करते हैं।

छात्रा को आत्महत्या के लिए उकसाने की आरोपित नन को राहत, कोर्ट ने आपराधिक कार्यवाही पर लगाई रोक

नईदिल्ली, 07 सितम्बर [एजेंसी]।

सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ में कक्षा छह की छात्रा को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में नन के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर शुक्रवार को रोक लगा दी। जस्टिस हृषिकेश राय और जस्टिस पीके मिश्रा की पीठ छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर में कार्मेल कान्वेंट स्कूल में शिक्षिका के रूप में कार्यरत नन सिस्टर मर्सी उर्फ एलिजाबेथ की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह राहत दी। एलिजाबेथ ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका दायर की है। हाई कोर्ट ने आपराधिक मामले में आरोपपत्र रद करने की उसकी याचिका खारिज कर दी थी।पुलिस ने आरोप लगाया है कि शिक्षिका ने छात्रा को आत्महत्या करने के लिए उकसाया था। अपनी अपील में नन ने कहा छात्रा को आत्महत्या के लिए उकसाने का कोई इरादा नहीं था। अनुशासनात्मक कार्रवाई को उकसाने के रूप में नहीं माना जा सकता। पीठ ने राज्य पुलिस को नोटिस जारी कर नन के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी।

जो बाइडन के बेटे को 17 साल की हो सकती है जेल, मुकदमा शुरू होने से पहले ही मानी गलती

वाशिंगटन, 07 सितम्बर [एजेंसी]।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन ने गुरुवार को चौंकाने वाले फैसले में संघीय कर मामले में अपना दोष स्वीकार कर लिया है। करों के रूप में 1.4 मिलियन डॉलर का भुगतान करने में विफल रहने के आपराधिक आरोपों पर हंटर को लॉस एंजिलिस की संघीय अदालत में मुकदमा चलाने की तैयारी थी। इसके बजाय, उन्होंने अपने ऊपर लगे सभी नौ मामलों में दोष स्वीकार कर लिया। हंटर ने कहा कि उन्होंने परिवार पर इस ट्रायल का प्रभाव पड़ने से बचाने के लिए दोष स्वीकार लिया है। न्यायाधीश मार्क

स्कार्सी ने हंटर बाइडन से कहा कि उन्हें 17 साल तक की जेल और 450,000 डॉलर तक के जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने सजा के लिए 16 दिसंबर की तारीख तय की है। आपराधिक मामलों में दोष स्वीकार करने वाले प्रतिवादी आमतौर पर मुकदमे से बचने के बदले में कम सजा पाने की उम्मीद में अभियोजकों के साथ पहले से ही समझौता कर लेते हैं। यहां वैसा मामला नजर नहीं आया।

इससे पहले दिन में हंटर द्वारा अल्फोर्ड याचिका की पेशकश की, जिसमें आरोपों को स्वीकार करने की पेशकश की गई थी, लेकिन कोई गलत कार्य स्वीकार करने से बचने की बात कही गई थी। इस पर अभियोजकों द्वारा आपत्ति जताए जाने के बाद बाइडन की टीम उस योजना से पीछे हट गई और न्यायाधीश ने कहा कि वह मामले का अध्ययन करना चाहेंगे और शुक्रवार सुबह फिर से बैठक करना चाहेंगे।

बिजली विभाग का नया फरमान, पुराने मीटरों को तोड़कर की जाएगी नीलामी

कानपुर, 07 सितम्बर [एजेंसी]।

बेचे जा चुके पुराने मीटरों को लगाकर बिजली चोरी का खेल अब बंद होगा। केस्को पुराने खराब हो चुके मीटरों को तोड़ने के बाद उनकी नीलामी करेगा। इसके लिए केस्को के अधिकारी 10 लाख रुपये के बजट से शेडिंग मशीन खरीदने जा रहे हैं। मशीन में बिजली मीटर जाते ही टुकड़ों में तब्दील हो जाएगा। मीटरों का दुरुपयोग रोकने के लिए केस्को ने यह कदम उठाया है। केस्को पुराने और उतारे गए बिजली मीटरों तोड़कर नीलामी करेगा। प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में केस्को में खराब मीटर एकत्र हो जाते हैं। पहले इन मीटरों को खोलकर कबाड़ के रूप में नीलाम किया जाता था लेकिन दो वर्ष पूर्व पुराने मीटरों के दुरुपयोग का मामला पकड़ में आने के बाद इन्हें तोड़कर कबाड़ में बेचने का निर्णय लिया गया है। केस्को के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में पहली बार केस्को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शेडिंग मशीन खरीदने जा रहा है। आठ अप्रैल 2022 को दयानंद विहार में कबाड़ी की दुकान में डेढ़ सौ पुराने मीटर मिले थे। जांच में पता चला था कि सर्किल वन के क्षेत्रों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने के बाद जो मीटर उतारे गए थे, उन्हें कबाड़ी को बेचा गया था। कबाड़ी अरुण कटियार और आवास की मालिक रजनी देवी के खिलाफ कल्याणपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। हालांकि आज तक पुलिस और केस्को के अधिकारी मीटर कबाड़ी तक कैसे पहुंचे, इसकी जानकारी नहीं जुटा सके हैं। मीटर रीडर और केस्को कर्मियों की साठगांठ से जिस उपभोक्ता की अधिक मीटर रीडिंग स्टोर हो जाती थी, उस मीटर को बदल दिया जाता था। इसके लिए पुराने मीटरों का उपयोग कर उपभोक्ता के घर में लगे मीटर रिकार्ड गायब कर दिया जाता था।पुराने मीटरों का दुरुपयोग रोकने के लिए शेडिंग मशीन खरीदी जा रही है। यूपी में पहली शेडिंग मशीन केस्को में खरीदी जा रही है। ट्रायल के बाद अन्य डिस्काम के लिए भी केस्को ही शेडिंग मशीन की खरीद करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार और कार्यवाहक DGP को जारी किया नोटिस, नियुक्ति मामले में मांगा जवाब

नई दिल्ली 07 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका पर झारखंड के कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता से जवाब तलब किया है जिसमें झामुमो के नेतृत्व वाली हेमंत सोरेन सरकार द्वारा गुप्ता की तदर्थ नियुक्ति को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने एक अवमानना याचिका पर झारखंड के मुख्य सचिव एल. खियांगते के जरिये राज्य सरकार को भी नोटिस जारी किया है। अवमानना याचिका में शीर्ष अदालत के वर्ष 2006 के फैसले और उसके बाद जारी निर्देशों के कथित गैर-अनुपालन का आरोप लगाया गया है। इस फैसले एवं निर्देशों में डीजीपी के लिए दो वर्ष का निश्चित कार्यकाल और यूपीएससी द्वारा तैयार राज्य के तीन वरिष्ठतम आइपीएस अधिकारियों की सूची में से उनका चयन शामिल है।याचिकाकर्ता नरेश मकानी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता माधवी दीवान ने कहा कि 1990 बैच के आइपीएस अधिकारी अनुराग गुप्ता की नियुक्ति सुप्रीम कोर्ट के 2006 के प्रकाश सिंह फैसले और उसके बाद जारी निर्देशों का उल्लंघन करके की गई है। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह याचिका पर झारखंड सरकार व अनुराग गुप्ता को नोटिस जारी कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सायंकालीन अदालतों और वर्चुअल सुनवाई की मांग की खारिज, कही ये बात

नईदिल्ली, 07 सितम्बर [एजेंसी]।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को देशभर के जिला न्यायालयों में शाम को अदालत लगाने और वर्चुअल सुनवाई का निर्देश देने की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि प्रशासन की दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए सभी जिला अदालतों के लिए इस मामले में एक समान निर्देश नहीं दिए जा सकते। इस मामले में किशन चंद जैन ने जनहित याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया था कि ट्रायल कोर्ट में वर्चुअल सुनवाई चरणबद्ध तरीके से हो सकती है। इस पर पीठ ने याचिकाकर्ता से पूछा भी कि क्या आप जानते हैं कि देश में कितनी जिला अदालतें हैं। आपने शाम की अदालतों की मांग की है। वकील इसका विरोध करेंगे। अगर हम निर्देश देते हैं कि शाम की अदालतें होंगी तो नियमित अदालतों में पूरे दिन बहस करने के बाद क्या वकील शाम की अदालतों में बहस करेंगे। हम सभी के लिए एक जैसा समाधान नहीं दे सकते। देश इतना बड़ा और जटिल है कि इस तरह के निर्देश नहीं दिए जा सकते।

गणेश चतुर्थी के प्रसंग का श्रवण करने से प्राप्त किया था पांडवों ने अपना खोया हुआ साम्राज्य

गणेश चतुर्थी है और आज घर-घर गणपति की स्थापना होगी और उनकी विधि विधान से पूजा की जाएगी। गणेश चतुर्थी को गणपतिजी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है और संपूर्ण विधि विधान के साथ घर में एक दिन, दो दिन, तीन दिन या फिर 9 दिन के गणेशजी की स्थापना की जाती है। गणेशजी की पूजा में इस कथा को पढ़ना बेहद अनिवार्य माना गया है। मान्यता है कि इस कथा के पाठ से पांडवों को उनका खोया हुआ राज्य फिर से मिला था। आप भी विस्तार से पढ़ें यह कथा।

एक बार नैमिषारण्य तीर्थ में शौनक आदि अट्ठासी हजार ऋषियों ने शास्त्रवेत्ता सूतजी से पूछा कि हे सूतजी महाराज! सभी कार्यों की निर्विघ्न समाप्ति किस प्रकार से हो? धनोपार्जन में कैसे सफलता मिल सकती है और मनुष्यों की पुत्र, सौभाग्य एवं सम्पत्ति की वृद्धि किस प्रकार हो सकती है? पति-पत्नी में कलह भाव से बचाव, भाई-भाई में परस्पर वैमनस्य से अलगाव तथा उदासीनता से अनुकूलता कैसे मिल सकती है? विद्योपार्जन, वाणिज्य-व्यापार, कृषि कर्म एवं शासकों को अपने शत्रु पर विजय प्राप्त करने में कैसे सफलता मिल सकती है? किस देवता के पूजन अर्चन से मनुष्यों को अभीष्ट की प्राप्ति हो सकती है? हे सूतजी महाराज! इन सब बातों की आप विस्तृत विवेचना कीजिए।

सूतजी कहते हैं कि हे ऋषियों! प्राचीनकाल में जब कौरव-पाण्डवों की सेना युद्ध के लिए सन्नद्ध हुई तो उसी समय कुन्ती नन्दन युधिष्ठिर ने श्रीकृष्ण जी से पूछा था। हे कृष्णजी ! आप यह बतलाइये कि हमारी निर्विघ्न विजय किस प्रकार होगी? किस देवता की आराधना से हम अभीष्ट सिद्धि प्राप्त कर सकेंगे?

श्रीकृष्ण जी कहते हैं कि हे वीर! पार्वतीजी के मैल से उत्पन्न गणेशजी की पूजा कीजिए। उनकी पूजा से आप अपने राज्य को पा जायेंगे, यह निश्चित है। युधिष्ठिर ने प्रश्न किया कि हे देव ! गणेश पूजन का क्या विधान है? किस तिथि को पूजा करने से वे सिद्धि देते हैं? श्रीकृष्ण जी कहते हैं कि हे महाराज ! भादों महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को इनकी पूजा करनी चाहिए अथवा श्रवण, अगहन एवं माघ मास की चतुर्थी को भी पूजा की जा सकती है।

हे राजन युधिष्ठिर! यदि आप में श्रद्धा भाव हो तो भादों शुक्ल चतुर्थी से ही गणेश जी की पूजा प्रारंभ कर दीजिए। व्रती को चाहिए कि प्रात:काल उठकर सफेद तिल से स्नान करें। दोपहर में सोने की मूर्ति चार तोले, दो तोले, एक तोले या आधा तोले की अपनी सामर्थ्य के अनुसार बनवाएं। यदि संभव न

हो तो चांदी की प्रतिमा ही बनवा लें। यदि ऐसा न कर सकें तो मिट्टी की मूर्ति बनवा लें। परन्तु अर्थ सम्पन्न होते हुए कृपणता न करें। ये ही वरविनाशक और ये ही सिद्धिविनायक हैं। मनोवांछा की सिद्धि के लिए भादों शुक्ल चौथ को इनकी पूजा करें। इनकी पूजा करने से सम्पूर्ण आकांक्षाएं पूर्ण होती हैं, एतदर्थ भूमण्डल में इन्हें सिद्धिविनायक कहा जाता है। ध्यान की विधि-एक दांत वाले, सूप के समान विस्तृत कान वाले, हाथी के समान मुख वाले, चार भुजाधारी, हाथ में पाश एवं अंकुश धारण किए हुए सिद्धविनायक गणेश जी का हम ध्यान करते हैं। एकाग्रचित्त से पूजन करें। पंचामृत से स्नान कराने के बाद शुद्ध जल से स्नान कराएं। तदनन्तर भक्ति पूर्वक गणेश जी को गन्ध चढ़ावें, आवाहन करके पाद्य, अर्घ्य आदि देने के बाद दो लाल वस्त्र चढ़ाना चाहिए। तत्पश्चात पुष्प, धूप, दीप एवं नैवेद्य अर्पित करना चाहिए। फिर पान के ऊपर कुछ मात्रा में सोना रखकर (अथवा रुपया, अठन्नी आदि) चढ़ावें। इसके बाद गणेश जी को इक्कीस दूब चढ़ावें । निम्नांकित नामों द्वारा भक्तिपूर्वक गणेश जी की पूजा दूर्वा से करें। हे गणाधिप ! हे उमापुत्र ! हे पाप के नाशक ! हे विनायक ! हे ईशनन्दन ! हे सर्वसिद्धिदाता ! हे एकदन्त! हे गजमुख ! हे मूषकवाहन ! हे स्कन्दकुमार के ज्येष्ठ भ्राता ! हे गजानन महाराज! मैं आपको प्रणाम करता हूँ। रोली, पुष्प एवं अक्षत के साथ दो-दो दूब लेकर प्रत्येक नाम का उच्चारण करते हुए अलग-अलग नामों से दूब अर्पित करें।

हे देवाधिदेव! आप मेरे दूब को स्वीकार करें, मैं आपकी बारम्बार विनती कर रहा हूं। इसी प्रकार भुना हुआ गेहूं और गुड़ अर्थात गुड़ धनिया, जो गणेश जी को परमप्रिय है, चढ़ाएं। इसके बाद शुद्ध घी से निर्मित इक्कीस लड्डू हाथ में लेकर हे कुरुकुल प्रदीप ! कहकर गणेश जी के आगे रख दें। उनमें से दस लड्डू ब्राह्मण को दान कर दें और दस लड्डू अपने भोजन के निमित्त रख लें। शेष लड्डू को गणेश जी के सामने नैवेद्य के रूप में पड़ा रहने दें। सुवर्ण प्रतिमा भी ब्राह्मण को दान दे दें। सभी कर्म करने के बाद अपने इष्ट देव का पूजन करें। तदनन्तर ब्राह्मण को भोजन कराकर स्वयं भोजन करें। स्मरण रहे कि उस दिन मूंगफली, वनस्पति, बरें आदि के तेल का उपयोग न करें। अधोवस्त्र और उत्तरीय वस्त्र के सहित गणेश जी की मूर्ति को सम्पूर्ण विघ्न निवारण के लिए विद्वान ब्राह्मण को दान कर दें। हे धर्मराज युधिष्ठिर! इस प्रकार गणेश जी की पूजा करने से आप सभी पाण्डवों की विजय होगी। इसमें सन्देह की कोई बात नहीं है, यह मैं बिल्कुल सत्य कह रहा हूं। गुरु से दीक्षा लेने के समय वैष्णव आदि प्रारम्भ में गणेश पूजन करते हैं। गणेश जी की पूजा करने से विष्णु, शिव, सूर्य, पार्वती (दुर्गा), अग्नि आदि विशिष्ट देवों की भी पूजा हो जाती है। इसमें सन्देह नहीं है। इनके पूजन से चण्डिका आदि मातृगण सभी प्रसन्न होते हैं। हे ऋषियों! भक्तिपूर्वक सिद्धिविनायक गणेश जी की पूजा करने से, उनकी कृपा के फलस्वरूप मनुष्यों के सभी कार्य पूर्ण होते हैं। भाद्र शुक्ल गणेश चतुर्थी की पूजा शिव लोक में हुई है। इस दिन स्नान, दान, उपवास, पूजन आदि करने से गणेश जी की अनुकम्पा से शताधिक फल होता है। हे युधिष्ठिर। इस दिन चन्द्र दर्शन को निषेध किया गया है। इसलिए अपने कल्याण की कामना से दोपहर में ही पूजा कर लेनी चाहिए। सिंह राशि की संक्रान्ति में, शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को चन्द्र दर्शन करने से, (चोरी, व्यभिचार, हत्या आदि का) मिथ्या कलंकित होना पड़ता है। इसलिए आज के दिन चन्द्र दर्शन करना वर्जित है। यदि भूल से चन्द्र चन्द्र दर्शन हो जाय तो ऐसा कहें %सिंह ने प्रसेनजित को मार डाला और जाम्बवान ने सिंह को यमालय भेज दिया। हे बेटा! रोओ मत, तुम्हारी स्यमन्तक मणि यह है। ऐसा कहने से आपको कलंक दोष से मुक्ति मिलेगी।

गाजर खाने के एक नहीं कई हैं फायदे जान लेंगे तो हो जाएंगे हैरान

गाजर एक ऐसी सब्जी होती है जो सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. पहले यह सिर्फ सर्दियों में मिलती लेकिन अब यह पूरे साल मिलती है. गाजर में विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं. इसे खाने से आंख, लिवर, किडनी और शरीर के बाकी अंगों को भी काफी ज्यादा फायदा मिलता है. आइए जानें रोजाना गाजर खाने से क्या फायदा होता है.

गाजर का इतिहास

गाजर जड़ वाली सब्जियां हैं जो सबसे पहले 900 ई. के आसपास अफ़गानिस्तान में उगाई गई थीं. नारंगी उनका सबसे प्रसिद्ध रंग हो सकता है. लेकिन वे बैंगनी, पीले, लाल और सफ़ेद सहित और भी दूसरे रंगों में भी मिलते हैं. शुरुआती गाजर बैंगनी या पीले रंग की होती थीं. नारंगी गाजर 15वीं या 16वीं शताब्दी के आसपास मध्य यूरोप में विकसित की गई थीं.

ऑर्गेनिक बनाम नॉन-ऑर्गेनिक

ऑर्गेनिक गाजर में नैचुरल तरीकों से उगाया जाता है. वहीं उसमें किसी भी तरह के कैमिकल और कीटनाशकों का इस्तेमाल नहीं किया जाता है. वहीं नॉन ऑर्गेनिक गाजर में पारंपरिक रूप से उगाई जाती हैं और कीटों के संक्रमण और बीमारियों को रोकने के लिए कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है.

आंखों के लिए होता है फायदेमंद

गाजर को आंखों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है. क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन ए और अल्फा-कैरोटीन, बीटा-कैरोटीन नाम के दो कैरोटीनॉयड होते हैं. लेकिन गाजर में सिर्फ एक पोषक तत्व नहीं बल्कि कई सारे पोषक तत्व होते हैं जो आंखों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होते हैं. गाजर में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट ल्यूटिन और ज़ेक्सैंथिन आंखों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है.यहआंखों की रेटिना और लेंस के लिए अच्छा होता है. रोज एक गाजर खाएं यह सेहत के लिए अच्छा होता है.

शुगर मैनेज करने में मददगार

गाजर में ढेर सारे फाइबर होते हैं जो ब्लड शुगर और इंसुलिन के लिए काफी ज्यादा अच्छा होता है. कच्ची या थोड़ी पकी हुई गाजर में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है.जो शुगर बैलेंस में मदद करता है. डायबिटीज के मरीज आराम से गाजर खा सकते हैं.

वजन को करना है कंट्रोल

गाजर की सबसे खास बात यह है कि इसमें 88 प्रतिशत तक पानी होता है. इसमें फाइबर और रफेज होती है. जिससे वजन कंट्रोल में रहता है. इसके अलावा अगर आप हर रोज एक गाजर खा लेते हैं तो लगभग 80 प्रतिशत कैलोरीज खा लेते हैं जिसके कारण काफी देर तक पेट भरा हुआ लगता है. यह सब्जी वजन कंट्रोल करने में मदद करता है.

बीपी बैलेंस करने में होता है कारगर

अगर आपका बीपी हाई है तो हर रोज 1 गाजर खाना चाहिए. गाजर में पोटेशियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है. जो बीपी बैलेंस करने का काम करती है. साथ ही यह शरीर में सोडियम का लेवल बैलेंस करता है. जिससे बीपी कंट्रोल में रहता है. दिल को हेल्दी रखने में गाजर काफी ज्यादा अच्छा होता है.

महिलाओं को अगर दिल की बीमारी से बचना है तो यह 5 कार्डियो जरूर करना चाहिए

कार्डियो एक्सरसाज को हर महिला को अपनी लाइफस्टाइल में शामिल करना चाहिए ताकि क्रोनिक हार्ट डिजीज़ के जोखिम को कम किया जा सके. दरअसल, इन असरदार वर्कआउट्स के जरिए दिल में ब्लड सर्कुलेशन अच्छे तरीके से होता है और यह दिल के लिए हेल्दी रहता है. यह हार्ट हेल्थ के लिए बहुत अच्छा होता है. रोजाना एक्सरसाइज हार्ट हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद होता है.

तेज चलना

अगर आपको कोई भी टफ एक्सरसाइज करने का मन नहीं तो आप एक एक्सरसाइज कर सकते हैं. वह है तेज चलना. तेज चलना आपके हार्ट बीट को बढ़ाने और हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है. हर दिन कम से कम 30 मिनट तेज चलने का लक्ष्य रखें. यह व्यायाम जोड़ों के लिए आसान है और लगभग कहीं भी किया जा सकता है, जिससे यह सभी फिटनेस स्तरों के लिए एक बढ़िया विकल्प बन जाता है.

दौड़ना या जॉगिंग

दौड़ना और जॉगिंग आपके हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के बेहतरीन तरीके हैं. ये उच्च-तीव्रता वाले व्यायाम आपकी हृदय गति को बढ़ाते हैं और कैलोरी जलाते हैं, जो वजन को कंट्रोल करने और दिल की बीमारी के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं. कम दूरी से शुरू करें और जैसे-जैसे आपकी फिटनेस बेहतर होती है, धीरे-धीरे अपनी स्पीड बढ़ाते रहें.

साइकिल चलाना

साइकिल चलाना, चाहे स्थिर बाइक पर हो या बाहर, एक कम प्रभाव वाला व्यायाम है जो दिल से जुड़ा एक बहुत अच्छा एक्सरसाइज है. यह आपके पैर की मांसपेशियों को मजबूत करता है और आपके हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है. इससे फायदा लेना है तो हर सप्ताह कम से कम 150 मिनट मध्यम-तीव्रता वाली साइकिल चलाने का लक्ष्य रखें.

रस्सी कूदना

रस्सी कूदना एक मज़ेदार और प्रभावी कार्डियो वर्कआउट है जिसे लगभग कहीं भी किया जा सकता है. यह हृदय स्वास्थ्य, समन्वय और सहनशक्ति में सुधार करता है. छोटे सत्रों से शुरू करें और धीरज विकसित करने के साथ-साथ धीरे-धीरे अवधि बढ़ाएं. रस्सी कूदने से कैलोरी बर्न करने और समग्र स्वास्थ्य में सुधार करने में भी मदद मिलती है.

डांस

डांस करने से सिर्फ आपका मन ही खुश नहीं होता बल्कि ओवरऑल हेल्थ भी अच्छा होता है. यह एक बेहतरीन कार्डियो वैस्कुलर एक्सरसाइज भी है. चाहे आप साल्सा, हिप-हॉप या एरोबिक डांस क्लास पसंद करते हों, डांस आपकी हार्ट बीट को बढ़ाने में मदद करता है और पूरे शरीर की कसरत प्रदान करता है.

अपने हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और इस प्रक्रिया में मज़ा लेने के लिए सप्ताह में कुछ बार डांस को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का प्रयास करें.

अपने शरीर की सुनें- धीरे-धीरे शुरू करें और चोट से बचने के लिए अपने वर्कआउट की तीव्रता और अवधि को धीरे-धीरे बढ़ाएं.

इन कार्डियो एक्सरसाइज को अपनी लाइफस्टाइल में शामिल करके. आप क्रोनिक दिल की बीमारी के जोखिम को कम करने और अपने समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं.

याद रखें, किसी भी नए व्यायाम कार्यक्रम को शुरू करने से पहले स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से परामर्श करना महत्वपूर्ण है, खासकर यदि आपको पहले से कोई स्वास्थ्य समस्या है.

शब्द सामर्थ्य -170

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. बचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. [illegible] 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 169 का हल

मै	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सी			क्षा		धु	र्रा
	सा	ह	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
व	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		सा	मा	न	ता
	ज		वा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

आलिया भट्ट की जिगरा के दो धांसू पोस्टर हुए जारी

इन दिनों आलिया भट्ट अपनी आगामी कई फिल्मों को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं, जहां एक ओर आलिया वाईआरएफ की स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला प्रधान फिल्म अल्फा की शूटिंग कर रही हैं, तो वहीं इसी बीच अब आलिया फिल्म जिगरा को लेकर फिर से चर्चा का विषय बन गई हैं। फिल्म जिगरा का आज एक के बाद अब दूसरा नया पोस्टर सामने आ चुका है। जहां पहले पोस्टर में वेदांग नजर आए, वहीं दूसरे पोस्टर में आलिया भट्ट खतरनाक अंदाज में दिखाई दे रही हैं। साथ ही दोनों के पोस्टर के साथ लिखी लाइन ने सभी का ध्यान अपनी ओर आर्किषत किया है। 11 अक्तूबर को रिलीज हो रही फिल्म जिगरा में आलिया भट्ट के अलावा वेदांग रैना भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार इस फिल्म में आलिया अभिनेता वेदांग की बड़ी बहन का किरदार निभाती नजर आएंगी। वासन बाला ने फिल्म का निर्देशन किया है, जबकि फिल्म का निर्माण करण जौहर के प्रोडक्शन तले किया जा रहा है। आलिया भट्ट के अलावा फिल्म के प्रोडक्शन हाउस ने भी फिल्म जिगरा का नया पोस्टर अपनी सोशल मीडिया साइट पर जारी किया है। आज कुछ ही देर में जिगरा के एक के बाद दूसरा पोस्टर जारी किया गया। जहां पहले पोस्टर की बात करें तो इस पहले जिगरा के पोस्टर पर वेदांग रैना नजर आए। वहीं साथ में एक और शख्स दिखाई दे रहा है। पोस्टर पर उनकी पीठ दिखाई दे रही है सिर्फ, साफतौर पर उन्हें देखा नहीं जा सकता है, लेकिन अब जब जिगरा का दूसरा पोस्टर भी जारी किया गया, तो इस शख्स का चेहरा सामने आ चुका है। यह कोई और नहीं बल्कि आलिया भट्ट हैं। जिगरा के दूसरे पोस्टर में आलिया भट्ट बेहद ही खतरनाक अंदाज में नजर आ रही हैं। आलिया ने अपने एक्स अकाउंट पर जिगरा का पोस्टर जारी किया, जिसमें वह हाथ में छेनी, हथौड़ा और कई औजार लिए नजर आ रही हैं। इस पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, कहानी बहुत लंबी है और भाई के पास वक्त बहुत बहुत कम। जाहिर सी बात है कि आलिया यहां वेदांग की बात कर रही हैं, क्योंकि फिल्म में वेदांग, आलिया के भाई के किरदार में नजर आएंगे। आज के दिन जिगरा के बैक टू बैक दो पोस्टर जारी किए गए, जिसमें पहले नए पोस्टर में वेदांग का लुक और दूसरे पोस्टर में आलिया का बेहद ही खतरनाक अंदाज देखकर सोशल मीडिया पर प्रशंसकों सहित सेलेब्स के कमेंट की बाढ़ आ गई। फिल्म मेकर करण जौहर ने लिखा, लेट्स गो, एक यूजर ने लिखा, क्या धांसू पोस्टर है, इस तरह से ही लोगों के बीच में उत्सुकता पैदा होती है, एक और यूजर ने लिखा, क्या ये जेल ब्रेक स्टोरी है, एक और यूजर ने लिखा, बहुत ज्यादा उत्साहित हूं 11 अक्तूबर को लेकर। हालांकि, प्रशंसकों को फिल्म जिगरा के दोनों पोस्टर पसंद आए। आज जिगरा से वेदांग रैना का लुक जारी किया है, जबकि सबसे पहला जिगरा के पोस्टर में आलिया भट्ट नजर आई थीं। आलिया का यह पोस्टर 13 जून को जारी किया गया था। इस पोस्टर में आलिया भट्ट रफ-टफ लुक में बैकपैक टांगे नजर आई थीं।

इन दिनों अपने ससुराल हैम्बर्ग में समय बिता रही हैं श्रीजिता डे

अभिनेत्री श्रीजिता डे इन दिनों अपने ससुराल हैम्बर्ग में समय बिता रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी इस यात्रा की कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की है। उतरन फेम दिवा के इंस्टाग्राम पर 1.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने अपने अकाउंट पर अपना हॉलिडे एल्बम शेयर किया है। फोटो में वह स्लीवलेस थाई-हाई स्लिट ड्रेस पहने हुए दिखाई दे रही हैं, जिसके साथ उन्होंने जूते और सनग्लासेस पहने हुए हैं। तस्वीरों में खूबसूरत झील की झलक भी देखी जा सकती है। श्रीजिता ने ग्रामीण इलाकों की भी झलक दिखाई। एक तस्वीर में हम उन्हें हैम्बर्ग की सड़कों पर घूमते हुए बॉस लेडी वाइब्स के साथ देख सकते हैं। उनके पति माइकल ब्लोहम-पेप ने पोस्ट पर लिखा, समय बहुत तेजी से बीत गया.. क्या हम वापस जा सकते हैं बेबी?? श्रीजिता ने 1 जुलाई, 2023 को जर्मनी के एक चर्च में अपने लॉन्ग-टर्म बॉयफ्रेंड माइकल से शादी की। उनके करियर के बारे में बात करें तो उन्होंने 2007 में टीवी शो कसौटी जिंदगी की से गार्गी तुषार बजाज की भूमिका निभाकर अपनी शुरुआत की। एकता कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स द्वारा निर्मित इस शो में श्वेता तिवारी और सेज़ेन खान मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद वह लेडीज स्पेशल, मिले जब हम तुम, तुम ही हो बंधु सखा तुम्ही, पिया रंगरेज, कोई लौट के आया है, नजर, लाल इश्क और ये जादू है जिन का! जैसे शो में नजर आ चुकी हैं। श्रीजिता ने विवादित रियलिटी शो बिग बॉस 16 में भी हिस्सा लिया था। वह वर्तमान में शैतानी रस्में में अभिनय कर रही हैं। इसमें नकियाह हाजी, विभव रॉय और शेफाली जरीवाला शामिल हैं। यह शो स्टार भारत पर प्रसारित होता है। श्रीजिता लव का द एंड, मॉनसून शूटआउट और रेस्क्यू जैसी फिल्मों का भी हिस्सा रही हैं।

मोनालिसा ने क्रॉप टॉप पहने हुए शेयर किया बेहद क्यूट लुक

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने बोल्ड लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही बवाल मचाने लगता है। हाल ही में उन्होंने अपने बेडरूम फोटोशूट की बेहद शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका लेटेस्ट लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। येलो कलर और रेड कलर का शॉर्ट्स साथ ही येलो टी-शर्ट पहनकर एक्ट्रेस मोनालिसा ने बेहद ही क्लासी फोटोशूट करवाया है। नो मेकअप लुक और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। इन तस्वीरों में उनका क्यूट लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

हरितालिका तीज पर सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत, सुबह हुआ विसर्जन

कोरिया/बैकुंठपुर। अखंड सौभाग्य और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए सुहागिन महिलाएं इस दिन निर्जला व्रत रखकर माता पार्वती और शिव की विधिवत पूजा करती है। इसके साथ ही प्रदोष काल के समय माता पार्वती-शिव जी की की विधिवत पूजा करने के साथ कथा पढ़ने का विशेष महत्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज का व्रत रखा जाता है।

इस दिन केले के पत्ते, बंदनवार से एक मंडप तैयार किया जाता है। इसमें मिट्टी से भगवान शिव-पार्वती की मूर्ति बनाकर स्थापित किया जाता है। इसके बाद फूल, माला, चंदन, धूप-दीपक आदि चढ़ाया जाता है। इसके साथ ही मंत्रों का जाप करने के बाद अंत में हरतालिका तीज का व्रत जरूर करें। अगर आप हरतालिका तीज के दिन व्रत रखने के साथ इस व्रत कथा का पाठ करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। आइए जानते हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार, कैलाश पर्वत में भगवान शिव माता पार्वती के साथ नंदी और अपने गणों के साथ बैठे हुए थे। इस अवसर में मां पार्वती ने शिव जी से पूछा

कि हे महेश्वर मैने वह कौन सा पुण्य किया था जिसके कारण आप मुझे पति के रूप में मिले। आप तो अंतर्यामी है, तो आप मुझे अवश्य इस बात को बताएं। इस बात को सुनकर शंकर जी कहते हैं कि हे देवी आपने तो अति उत्तम पुण्य का संग्रह किया था, जिससे आपको मैं प्राप्त हुआ था। आपने भादो मास के शुक्ल पक्ष की तीज के नाम में प्रसिद्ध है। शिव जी ने कहा- हे गौरी! पर्वतराज हिमालय पर स्थित गंगा के तट पर तुमने अपनी बाल्यावस्था में बारह वर्षों तक अधोमुखी होकर घोर तप किया था। इतनी अवधि तुमने अन्न न खाकर पेड़ों के सूखे पत्ते चबा कर व्यतीत किए। माघ की विकराल शीतलता में तुमने निरंतर जल में प्रवेश करके तप किया। वैशाख की जला देने वाली गर्मी में तुमने पंचाग्नि से शरीर को तपाया।

घर में सजी थी पिता की अर्थी और संपत्ति को लेकर भिड़ गए दो बेटे

अंबिकापुर। अंबिकापुर के मायापुर चांदनी चौक पर बीमारी से पिता की मौत के बाद अंतिम संस्कार के बजाय दो बेटे संपत्ति बंटवारे को लेकर आपस में ही भिड़ गए। दोनों ने एक -दूसरे का सिर फोड़ दिया। पिता की अर्थी घर के आंगन में पड़ी थी और दोनों भाई थाने पहुंच गए। पुलिस की समझाइश के बाद अंतिम संस्कार किया गया। बुधवार की रात शहर के मायापुर चांदनी चौक में एक बुजुर्ग की बीमारी से मौत हो गई थी। बुजुर्ग बड़े बेटे के साथ रहता था। गुरुवार की सुबह उनका अंतिम संस्कार किया जाना था। गुरुवार की सुबह घर के बाहर अर्थी सजाई गई, लेकिन पिता का अंतिम संस्कार करने से पहले घर में विवाद हो गया। बुजुर्ग के दो पुत्र चंद्रदेव सोनी व विजय सोनी संपत्ति के बंटवारे को लेकर आपस में भिड़ गए। दोनों ने एक-दूसरे का सिर फोड़ दिया। यह देख मोहल्लेवासी भी अवाक रह गए। दोनों को समझाने का प्रयास किया गया लेकिन वे नहीं माने। दोनों बेटे लहूलुहान हालत में थाने पहुंच गए। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाइश दी कि पहले पिता का अंतिम संस्कार कर लो,शिकायत बाद में भी दर्ज हो जाएगी।

जिले में लंबे समय से शिक्षा के क्षेत्र में सेवा कार्य कर रही

शासकीय प्राथमिक शाला में कार्यरत शिक्षिका राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले में शिक्षा के क्षेत्र में आज भी शासकीय स्कूलों के शिक्षकों के द्वारा नित नए-नए कार्य करते हुए अपना नाम रोशन कर रहे हैं तो वही ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ नया करने की जुनून ने श्रीमती अर्पणा मिश्रा को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित कर कोरिया जिले का नाम रोशन करने का सराहनीय प्रयास किया है। वर्तमान में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। श्रीमती मिश्रा बच्चों को शाला में पढ़ाई लिखाई से जोड़े रखने हेतु समर क्लास, ट्यूशन क्लास (मुक्त) का आयोजन विषय मित्र, गली मित्र व स्वयं करने का प्रयास करती हैं। उनका सदैव प्रयास रहता हैं कि बच्चें नियमित रूप से शाला आये। शाला त्यागी बच्चों को पालकों के साथ मिलकर उन्हें स्कूल में लाती हैं। प्रत्येक छात्र के शैक्षणिक विकास को खेल-खेल में शिक्षा प्रदान करते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, स्वच्छता व लोक संस्कृति कला में नवाचार के माध्यम से तथा स्मार्ट क्लास के माध्यम से बच्चों को अच्छी शिक्षा देती हैं।

विद्यालय प्रांगण में सभी राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्थानीय कार्यक्रमों का आयोजन स्थानीय नागरिकों एवं जन सहयोग से किया जाता है। अरविन्दों सोसायटी, ब्लूवर्ड, ब्रम्हकुमारी संस्था द्वारा उन्हें सम्मान प्राप्त हुआ। टी.एल.एम. प्रदर्शनी में

संकुल विकासखण्ड व जिले स्तर में शाला को स्थान प्राप्त हुआ। यू.एस.ए. की संस्था सत्यमेव जयते द्वारा उन्हें सम्मान प्राप्त हुआ हैं। छोटे बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा दिलाना तथा आधुनिक युग के अनुसार नये-नये भौतिक संसाधनों से बच्चों को परिचित कराते हुए उन्हें उसका उपयोग विद्याध्ययन के लिए किए जाने को वे आवश्यक मानती हैं।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत राम मंदिर एवं महामाया मंदिर के बीच कन्हर नदी के घाट पर वृक्षारोपण किया गया

रामानुजगंज। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रव्यापी आह्वान एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल के नेतृत्व में राम मंदिर एवं महामाया मंदिर के बीच कन्हर नदी के घाट पर एसडीएम देवेंद्र प्रधान, नगर पंचायत के पार्षद, प्रबुद्ध नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता सहित अधिकारी कर्मचारी शिक्षको की गरिमामयी उपस्थिति में वृहद पौधारोपण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर सभी ने पौधारोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण का संकल्प भी दोहराया। नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने कहां की हर भारतवासी अपूर्व उत्साह के साथ इस अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आतुर है। पर्यावरण की सुरक्षा और समृद्धि के लिए समर्पित इस अभियान को मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की अनूठी उपलब्धि मानता हूं। मोदी जी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आज वृक्षारोपण अभियान में समाज के सभी वर्गों की सहभागिता रही। वृक्षारोपण अभियान के पूर्व राम मंदिर से लेकर महामाया मंदिर घाट तक कन्हर नदी के तट पर तार फेंसिंग कार्य कराया गया था ताकि पौधारोपण के बाद पौधे सुरक्षित रह सके। श्री अग्रवाल ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में इसके पूर्व भी जहां-जहां वृक्षारोपण हुआ वहां हम लोगों के सामुहिक प्रयास से पौधे लगाने के साथ-साथ उसका संरक्षण संवर्धन की चिंता की गई जिससे शहरी क्षेत्र में रोपित अधिकांश पौधे आज वृक्ष का रूप ले रहे हैं। नगर पंचायत रामानुजगंज द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में सीएमओ सुधीर कुमार, पार्षद अशोक जयसवाल, राजनाथ विश्वकर्मा, मुकेश जयसवाल, विजय रावत, प्रमोद कश्यप, सनोज दास, मोहन गुप्ता, रामेश्वर गुप्ता, रामशंकर दुबे,विकाश दुबे,अनूप कश्यप, अजय गुप्ता, अजय केशरी, जगरनाथ गुप्ता, जगदीश, विनोद केशरी, विपिन पाठक, बालकेश प्रजापति, संतोष केशरी, अशोक केशरी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शराब के नशे में पहुंच गया हाथी के पास, कुचलने से मौत

प्रतापपुर। गुरुवार की रात शराब के नशे में मदहोश ग्रामीण हाथी के नजदीक पहुंच गया। हाथी ने उसे कुचल कर मार डाला। घटना के समय हाथी घर में तोड़फोड़ कर रहा था।

बुधवार को एक नर दंतैल हाथी वन परिक्षेत्र राजपुर के रेवतपुर से विचरण करते हुए वन परिक्षेत्र प्रतापपुर के परिसर करसी के कक्ष क्रमांक आरएफ 50 के वन क्षेत्र में आकर डटा हुआ था। इसी बीच गुरूवार की रात दस बजे यह नर दंतैल नवाडीह के लंगड़ाडांड़ में मौजूद ग्रामीणों की बस्ती में पहुंच गया। बस्ती में पहुंचकर एक के बाद एक ग्रामीणों के घरों को क्षतिग्रस्त करने लगा। वन विभाग ग्रामीणों

को मुनादी के माध्यम से दंतैल के बस्ती की ओर आने की जानकारी पहले ही दे चुका था। जानकारी मिलते ही ग्रामीण अपने अपने घरों से सुरक्षित बाहर निकल चुके थे। इधर मौके पर मौजूद वन विभाग की टीम व हाथी मित्र दल रेंजर उत्तम मिश्रा की अगुवाई में लगातार हाथी को बस्ती से बाहर खदेड़ने का प्रयास कर ही रहे थे कि तभी सरहरी गांव का रहने वाला शेषमन (40) जो कि दो तीन वर्षों से अपनी बहन के यहां नवाडीह में रह रहा था। वह मना करने के बावजूद रात पौने बारह बजे के लगभग शराब के नशे में धुत्त होकर उस स्थान पर पहुंच गया जहां नर दंतैल घरों को तोड़ रहा था। इसी दौरान दंतैल चिंघाड़ लगाते हुए आक्रामक मुद्रा में उसकी ओर बढ़ने लगा। उसने भागने का प्रयास किया। पर नशे में होने के कारण वह भाग नहीं सका। दंतैल ने उसे अपनी चपेट में लेते हुए सूंड़ में लपेटकर नीचे पटका और पैरों से कुचल दिया जिसके कारण घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। शुक्रवार तड़के चार बजे रेंजर उत्तम मिश्रा व वन अमला प्रतापपुर पुलिस की मदद से मृतक के क्षतविक्षत शव को लेकर प्रतापपुर पहुंचे। जहां शव को शव विच्छेदन गृह में रखवा दिया। सुबह होने पर पोस्टमार्टम व थाने में मर्ग कायमी की प्रक्रिया पूर्ण करा शव स्वजनों के सुपुर्द कर उन्हें तात्कालिक सहायता राशि के रूप में पच्चीस हजार रुपये नगद प्रदान किए। शराब सेवन कर लेने के कारण शेषमन होश में नहीं था। इसीलिए ग्रामीणों द्वारा मना करने के बावजूद वह दंतैल के नजदीक पहुंचा था। जिसके बाद दंतैल ने उसे अपनी चपेट में लेकर मार डाला।

बता दें कि इससे पहले भी कई ग्रामीण शराब के नशे में जंगली हाथियों के नजदीक पहुंचने की हिम्मत कर अपने प्राण गंवा चुके हैं। उप वन मंडलाधिकारी आशुतोष भगत ने बताया कि वन परिक्षेत्र प्रतापपुर में पांच हाथियों का दल सक्रिय है। फिलहाल यह दल वन क्षेत्र धरमपुर के दलदली के कक्ष क्रमांक 19-20 में प्रवेश कर विचरण कर रहा है। इस दल के खोरमा, कैराडांड़, सिंघरा, भरदा, गौरा, धरमपुर, मदननगर व गणेशपुर की ओर जाने की संभावना बनी हुई है। वन विभाग की टीम व हाथी मित्र दल मुनादी के माध्यम से ग्रामीणों को लगातार सचेत करने में लगे हुए हैं।

शिक्षक दिवस पर उत्कृष्ट शिक्षकों का संकुल स्तर पर किया गया सम्मान

कोरिया बैकुंठपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर संकुल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सारा के अंतर्गत प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को श्रीफल, डायरी, एवं पेन देकर श्रीमती रेखा यादव संकुल प्राचार्य द्वारा सम्मान किया गया। जिसमें श्रीमती नीतु कुशवाहा, माध्यमिक विद्यालय सारा, सुश्री श्वेता तिवारी माध्यमिक विद्यालय गदबदी, नीतीशकुमार साहू माध्यमिक विद्यालय रटंगा, राजेश कुमार शर्मा प्राथमिक शाला रटंगा, राजेश कुमार सिंह प्राथमिक शाला गदबदी, खगेश कुमार पैकरा प्राथमिक शाला कंटहिया पारा, श्रीमती बरखा नेताम प्राथमिक शाला कंटहिया पारा शोयब इमाम ,प्राथमिक शाला ढोढ़ी बहरा, दिनेश कुमार नायक प्राथमिक शाला सारा ,श्रीमती सुशीला मिंज कन्या आश्रम सारा, सुश्री मीना साहू प्राथमिक शाला जलिया डांड, मरकुश बेलसाजर प्राथमिक शाला बंगाली पारा, अग्रज खरे प्राथमिक शाला डोंगरी पारा को सम्मानित किया गया। संकुल के संकुल शैक्षिक समन्वयक अशोक लोधी ,सुखलाल राजवाड़े एवं संकुल के अन्य विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाए उपस्थित रहे ।

युवक से मोबाइल की लूट

रायपुर। सदाणी दरबार के पास स्कूटी सवार अज्ञात दो बदमाशों ने एक युवक के मोबाइल छीनकर भाग निकला। प्रार्थी की शिकायत पर माना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। प्रार्थी मनोहर बरेठ 18 वर्ष हाउसिंग बोर्ड कालोनी बोरियाकला का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपने हाथ में मोबाइल लेकर पैदल जा रहा था, तभी स्कूटी सवार अज्ञात दो युवकों ने पीछे से आकर प्रार्थी के हाथ से मोबाइल छीनकर भाग निकले। चोरी गए मोबाइल की कीमत करीब 8 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

शराब पीते 9 गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मुजगहन पुलिस ने ग्राम सोनपैरी में सरेआम शराब पीते आरोपी विनोद कुमार बंजारे 47 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी संजय साहू 23 वर्ष और पिंटू गुप्ता 31 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं देवेन्द्र नगर पुलिस ने आरोपी सोमनाथ यादव 35 वर्ष व गुड्डू प्राद 48 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह आरंग पुलिस ने आरोपी भागचंद गायकवार्ड 51 वर्ष, कौशल साहू, बद्रीप्रसाद साहू व गोपीराम निषाद को गिरफ्तार किया है।

अवैध शराब के साथ दो युवक गिरफ्तार

रायपुर। खरोरा और अभनपुर पुलिस ने अवैध शराब बेचते दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोोपियों के पास से कुल 28 पाव देशी शराब और बिक्री रकम 780 रुपए जब्त किया है। खरोरा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम केसला में दबिश देकर आरोपी अक्षय बंजारे 25 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 13 पाव देशी शराब और बिक्री रकम 400 रुपए जब्त किया है। वहीं अभनपुर पुलिस ने अभनपुरा के यादव ढाबा के पास दबिश देकर आरोपी शंकर खुटे 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

राधाकृष्णन की जयंती पर शिक्षकों का किया गया सम्मान

रामानुजगंज। शिक्षक दिवस के अवसर पर नगर के लरंगसाय कम्युनिटी हॉल में सागर फाउंडेशन के प्रमुख एवं नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल के नेतृत्व में विकास खंड स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी डा डी एन मिश्रा, वयोवृद्ध सेवानिवृत्ति शिक्षक धनंजय पाठक, बीईओ सदानंद कुशवाहा, वरिष्ठ अधिवक्ता विमलेश सिन्हा पार्षद अशोक जयसवाल, मोहन गुप्ता की विशेष उपस्थिति में आयोजित किया गया।विकासखंड के निजी शैक्षणिक संस्थाओं एवं शासकीय स्कूलों उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन के छायाचित्र पर अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया, इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के छात्र छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ डी.एन. मिश्रा ने नगरवासियों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए सागर मोती फाउंडेशन के कार्यों की जमकर सराहना की उन्हों ने कहा कि मुझे बहुत खुशी हो रही है कि सागर मोती फाउंडेशन विगत कई वर्षों से हम सब शिक्षकों के सम्मान में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन करते आ रहा है। गुरु वह दीपक है जो खुद जलकर दूसरों को प्रकाश देता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वयोवृद्ध सेवानिवृत शिक्षक धनंजय पाठक ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि रामानुजगंज में मुझे लंबे समय तक शिक्षक के रूप में कार्य करने का अवसर मिला रामानुजगंज में शायद ही ऐसा कोई पुराना घर हो जहां मेरे पढ़ाए विद्यार्थी न हो। आज मुझे बहुत खुशी होती है कि जिस निष्ठा एवं समर्पण के साथ मैंने बच्चों को शिक्षा दी आज उनको विभिन्न उच्च पदों पर देखकर बहुत खुशी होती है मेरी खुशी दुगनी तब बढ़ जाती है जब उनमें मैं संस्कार देखता हूं। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक सागर फाउंडेशन के प्रमुख एवं नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने कहा कि जब मैं पढ़ाई करता था तब से शिक्षकों का भरपूर प्यार और मार्गदर्शन मुझे मिला जिन शिक्षकों ने मुझे पढ़ाया था आज उनमें से बहुत से शिक्षक इस समारोह में उपस्थित है। बेहतर समाज निर्माण के लिए अपनी पूरी ऊर्जा लगाने वाले समाज के उन सर्वश्रेष्ठ लोगों का सम्मान करके हम सब अपने आप को सम्मानित महसूस कर रहे हैं जो रहे हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि विगत दो दशकों से अधिक समय से हम लोगों के द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह किया जाता रहा है आप सभी लोगों के सतत आशीर्वाद, प्यार एवं सहयोग से यह इतने भव्य स्तर में आयोजित हो पाता है। 25 वर्षों से लगातार आयोजित हो रहा है शिक्षक सम्मान समारोह समाजसेवी संस्था सागर मोती फाउंडेशन के प्रमुख रमन अग्रवाल के नेतृत्व में विगत 25 वर्षों से लगातार शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन होते आ रहा है पहले जहां लेपर्ड 21 के नाम से आयोजन होता था वही बाद में संस्था का नाम सागर फाउंडेशन फिर जिसे नाम बदलकर सागर मोती फाउंडेशन किया गया। दो पीढ़ियों को पढ़ाया वयोवृद्ध शिक्षक धनंजय पाठक ने, किया गया सम्मानित 90 वर्षीय नगर के वयोवृद्ध शिक्षक धनंजय पाठक के द्वारा नगर में बहुत से ऐसे लोग हैं जिनकी दो पीढ़ियों को उन्होंने पढ़ाया आज कार्यक्रम के दौरान वे भी बहुत भावुक दिखे सभी वक्ताओं ने उनकी जमकर प्रशंसा की। आज कार्यक्रम के दौरान इस वर्ष सेवा निवृत होने वाले शिक्षकों में अधिकांश ऐसे शिक्षक थे जिनकी प्राथमिक शिक्षा धनंजय पाठक के मार्गदर्शन में पूरी हुई थी। इन सेवानिवृत्त शिक्षकों का हुआ सम्मान रामचंद्रपुर विकासखंड के अंतर्गत सेवानिवृत्त हुए प्रहलाद सोनी, श्रीमती शिवरात्रि तिवारी, लाल बिहारी चौबे, बलिराम तिवारी, ब्रह्मा गुप्ता, विजय कुमार चौबे को शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इन उत्कृष्ट शिक्षकों का हुआ सम्मान निरंजन कुमार, नंदलाल पैकरा, लालचंद वर्मा, नयन केसरी, काशीनाथ राम, श्रीमती रोशन लकड़ा, संदीप कुमार मिंज, फिरोज अंसारी, अंजय श्रीवास्तव, महेंद्र कश्यप, रामौतार सिंह, श्रीमती मंजू मेहता, लाल बच्चन रवि, मानसरोवर सिंह, श्रीमती अंजलि पटेल, आशुतोष साहू, रामजीत सिंह, जयप्रकाश वारे, श्रीमती कविता सिंह, परमेश्वर प्रसाद, उपेंद्र गुप्ता, शंभू प्रसाद गुप्ता, विनय कुमार पांडे, राजेश मिश्रा, सुश्री रिया अग्रवाल, कुमारी सोनू पांडे, अजय मेहता, तबस्सुम बेगम, श्रीमती शकुंती कुमारी, विनय केसरी, सबरीन खान, प्रियंका राज, श्रीमती प्रभा लाकड़ा, मानसी केसरी, ज्योति विश्वकर्मा, श्रीमती तारा देवी, सतीश प्रसाद सिन्हा, तनवीर आलम, रोहित गुप्ता।

बड़े भाई ने छोटे को उतारा मौत के घाट

रायपुर। महादेवघाट रोड स्थित चिंगरी नाला के पास एक युवक ने अपने छोटे भाई पर चाकू से हमला कर हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक चंदन साहू 18 वर्ष चिंगरी नाला के पास महादेवघाट रोड का रहहने वाला था।

भारत रत्न व पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती मनाई गई

बैकुंठपुर कोरिया। जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती शिक्षक दिवस के रूप में 05 सितम्बर 2024 (दिन गुरुवार) को द एकलव्य आईसेक्ट इंस्टीट्यूट स्कूलपारा बैकुंठपुर में अतिथि के द्वारा सर्वपल्ली राधाकृष्णन का दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया,डायरेक्टर चंद्र प्रकाश राजवाड़े ने कहा कि भारत रत्न व पूर्व राष्ट्रपति डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी मशहूर शिक्षाविद और महान दार्शनिक थे। उन्होंने देश-विदेश में भारतीय संस्कृति का प्रचार प्रसार किया। डॉ.राधाकृष्णन शिक्षा के बड़े पक्षधर थे। उनका मानना था कि पूरा विश्व ही एक स्कूल है। राधाकृष्णन का कहना था कि जहां कहीं से भी कुछ सीखने को मिले उसे अपने जीवन में उतार लेना चाहिए,राजवाड़े,इस अवसर पर लखमनिया राजवाड़े, शिक्षक मुरली प्रधान,शिक्षक जितेन सारथी,शिक्षिका आयुना बानो, शिक्षिका इशिका ठाकुर,शिक्षिका हीरमतीया मैडम,शिक्षक निलेश राजवाड़े, उत्तम प्रताप राजवाड़े, अतिथिगण मुख्तार अहमद, बृजवासी तिवारी, अजय सिंह, विकास श्रीवास्तव,संगीता राजवाड़े, लक्ष्मी सिंह रकीबा बेगम,असद खान, श्याम कुमार राजवाडे,धीरज सिंह सहित द एकलव्य आइसेक्ट की छात्रा एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

राजमिस्त्री की हत्या का खुलासा, पानी टंकी तोड़कर निकाला गया शव

अंबिकापुर। सरगुजा के सीतापुर थाना क्षेत्र से तीन माह पूर्व लापता आदिवासी राजमिस्त्री की हत्या कर दी गई थी।राजमिस्त्री का शव मैनपाट के ग्राम लुरैना में सौर ऊर्जा संचालित पानी टँकी के नीचे दफना दिया गया था। ठेकेदार ने सहयोगियों के माध्यम से घटना कारित की थी शुक्रवार को पुलिस ने पानी टँकी के निर्माण को हटाकर एक्सीवेटर की मदद से नींव के फाउंडेशन वाले हिस्से को खोदा तो शव बरामद हुआ। शव का ऊपरी हिस्सा सड़क चुका था। कपड़ा और ढांचा सुरक्षित था। युवक की पहचान सुनिश्चित करने के लिए पुलिस कंकाल का डीएनए टेस्ट भी कराएगी। हालांकि संदेहियों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर ही कंकाल बरामद किया गया है। मृतक के स्वजन ने कपड़े व अन्य सामानों के माध्यम से उसकी पहचान कर ली है। पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में ले लिया है।

सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम उलकिया हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य सीतापुर के ठेकदार अभिषेक पांडेय द्वारा कराया जा रहा था। तीन माह पूर्व निर्माण कार्य स्थल से छड़, सीमेंट एवं अन्य निर्माण सामग्री की चोरी हो गई थी। सात जून को ठेकेदार एवं साथियों ने बेलजोरा निवासी संदीप लकड़ा नामक आदिवासी राजमिस्त्री को उठा लिया था।संदीप निर्माण कार्य में लगा था।अपनी वाहन में बैठाकर उसे ले गए थे। इसके बाद संदीप लकड़ा घर वापस नहीं लौटा था। पहले दिन से ही उसकी हत्या कर दिए जाने का संदेह घरवाले जता रहे थे। आठ जून को ठेकेदार अभिषेक पांडेय ने ही सीतापुर थाने में शिकायत की थी कि राजमिस्त्री संदीप और सहयोगियों ने निर्माण स्थल से छड़ की चोरी कर बेच दिया है। उधर संदीप की पत्नी सलीमा लकड़ा ने 16 जून को सीतापुर थाने में अपने पति के गुमशुदा होने की शिकायत दर्ज कराई थी।

उन्होंने ठेकेदार पर अपहरण और हत्या का आरोप भी लगाया था। स्वजन व घरवालों ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाकर ठेकेदार को पकड़ने की मांग भी की थी। आरोप है कि ठेकेदार को पुलिस ने दबाब के बाद पूछताछ के लिए बुलाया था फिर छोड़ दिया था। इधर संदीप लकड़ा के लापता होने के बाद पुलिस को भ्रमित करने साजिश रची गई थी। उसके मोबाइल का लोकेशन लेकर उसकी तलाश की जा रही थी। उसका मोबाइल गोवा एवं मुंबई में कुछ समय के लिए चालू हुआ था।

अगस्त माह में सर्व आदिवासी समाज ने संदीप लकड़ा की हत्या की आशंका जताते हुए कार्रवाई की मांग को लेकर थाने का घेराव किया था। पुलिस ने मामले में ठेकेदार अभिषेक पांडेय, प्रत्युश पांडेय सहित अन्य सथियों के खिलाफ अपहरण, मारपीट और आदिवासी एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया था। मोबाइल लोकेशन स्पष्ट नहीं होने के कारण पुलिस ने ठेकेदार अभिषेक पांडेय व प्रत्युश पांडेय के सहयोगियों को हिरासत में लिया। सीएसपी रोहित शाह की टीम ने ठेकेदार के सहयोगियों से कड़ाई से पूछताछ की तो उन्होंने संदीप लकड़ा की हत्या कर मैनपाट के लुरैना में निर्माणाधीन पानी टंकी के नीचे दफनाने की जानकारी दी। शुक्रवार को संदेहियों को लेकर पुलिस टीम लुरैना पहुंची। प्रत्युश पांडेय ने पुलिस को बताया कि सामानों की चोरी की घटना पर नाराज़गी थी। संदीप की उन्होंने पिटाई की थी एवं उसे अपने पास रखा हुआ था। सुबह संदीप की मौत हो गई थी। पुलिस की कार्रवाई से बचने उसके शव को लुरैना में सौर ऊर्जा चलित पानी टंकी के फांउडेशन में दफन कर दिया था। इसी जानकारी के आधार पर पुलिस ने लापता संदीप के स्वजन एवं सर्व आदिवासी समाज के लोगों के साथ शव बरामद करने लुरैना पहुंची। यहां सौर ऊर्जा चलित पानी टँकी के ऊपरी हिस्से को गिराया गया। एक्सीवेटर से लगभग 15 से 20 फीट नीचे खोदाई करने पर युवक का शव बरामद हुआ। फारेंसिक एक्सपर्ट कुलदीप कुजुर की टीम ने कंकाल को प्रिजर्व किया है।स्वजन ने शव की पहचान उसके कपड़ों से की है। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था। सरगुजा पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने बताया कि सात जून को राजमिस्त्री का अपहरण कर लिया गया था। रात में उसकी पिटाई की गई। सुबह उसकी मौत हो गई। दिनभर आरोपितों ने शव को रखा। रात को सभी ने मिलकर लुरैना ग्राम में सौर ऊर्जा चलित पानी टँकी निर्माण स्थल पर दफना दिया था। उसके ऊपर फाउंडेशन खड़ा कर दिया गया था। उसके ऊपर लोहे के एंगल वाले टँकी का निर्माण कर उसके ऊपर 1000 लीटर क्षमता की पानी टँकी रखवा दिया गया था।इस कार्य का ठेका भी आरोपितों को ही मिला था। पूछताछ में ठेकेदार के सहयोगी टूट गए और सच्चाई बता दी। मामले में ठेकेदार अभिषेक पांडेय फरार बताया है। अभी पुलिस की जांच जारी है। सरगुजा पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने बताया कि अपहरण और हत्या के इस मामले में पुलिस ने चार आरोपितों को हिरासत में लिया है। इसमें प्रत्यूष पांडेय, गुड्डू, शैल शक्ति व तुलेश्वर शामिल हैं।उन्होंने बताया कि घटना के बाद आरोपितो ने पुलिस को गुमराह करने की भी कोशिश की थी। मृतक के मोबाइल को लेकर आरोपित शैली शक्ति मुंबई भी गया था। वहां मृतक के मोबाइल को उसने चालू किया था ताकि पुलिस को लगे कि आरोपित भाग कर मुंबई की ओर चला गया है। उन्होंने बताया कि मृतक के स्वजन ने कपड़े और मृतक द्वारा पहने गए कड़े के आधार पर उसकी पहचान कर ली है फिर भी पुलिस अपनी ओर से डीएनए जांच कराएगी। घटना बेहद दुखद है। पुलिस की लापरवाही भी सामने आ रही है।स्वजन ने पहले ही अपहरण और हत्या का संदेह जता दिया था। इसके बाद भी पुलिस ने बारीकी से छानबीन नहीं की। आदिवासी मुख्यमंत्री के राज में आदिवासी युवक की हत्या कर दी गई। आदिवासियों की सुरक्षा की चिंता सरकार को करनी होगी। मैं जानना चाहता हूं कि क्या जिस तरह दूसरे अपराधियों के घरों पर बुलडोजर चलता है वैसी ही कार्रवाई आदिवासी युवक की हत्या के मामले में होगी। मैं पीड़ित परिवार के साथ था, हूं और आगे भी खड़ा रहूंगा। मेरे संज्ञान में जैसे ही मामला आया था मैंने व्यक्तिगत रूप से वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से चर्चा कर जरूरी निर्देश दिए थे। हमने सीतापुर क्षेत्र का एक युवा खोया है। घटना दुखद है। यह समय राजनीति करने का नहीं है। दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होगी। पुलिस की कार्रवाई के अतिरिक्त अतिक्रमण और ठेका व्यवसाय पर भी कार्रवाई आप सभी को दिखेगी।

सुबह से शुरू हुआ विघ्न विनाशक की स्थापना का सिलसिला, रात तक रहेगी धूम

कोरबा। प्रथम पुज्य भगवान गणेश का उत्सव आज से शुरू हो गया। सुबह से प्रतिमाओं की स्थापना का क्रम शुरू हुआ जो रात तक चलेगा। शहर से लेकर कस्बों और वनांचल में उत्सव के लिए विशेष तैयारी की गई है। वहीं इस दौरान अनावश्यक शोर-शराबा और सड़क पर पंडाल लगाने को लेकर पुलिस ने कार्रवाई करने की बात कही है।

चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक विघ्न विनाशक का यह उत्सव मनाया जाएगा। कई स्थान पर इस तिथि से पहले भी प्रतिमाओं का विसर्जन करने की योजना भी आयोजकों ने बनाई है। ऐसे मामलों में सामर्थ्य की अपनी भूमिका होती है। जबकि सभी बड़े पंडालों में पूरे 10 दिनों तक भगवान गणेश की पूजा अर्चना के साथ हवन पूजन संपन्न होगी। इस बार उत्सव के आयोजन की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। शहर और उपनगरीय क्षेत्रों में सैकड़ों स्थानों पर बड़े बजट के आयोजन समितियों ने किए हैं जबकि घर और संस्थान में स्थापित हो रही गणेश प्रतिमाओं की संख्या हजारों में हैं। अकेले कोरबा शहर में 5 हजार से ज्यादा प्रतिमाएं तैयार हुई हैं। उपनगरीय क्षेत्र और कस्बों का आंकड़ा इससे अलग है। चतुर्थी को सुबह से शास्त्रोक्त विधि विधान के साथ एक दंत की स्थापना कराई गई और फिर उनकी पूजा अर्चना की गई। बताया गया कि इस मौके पर स्थापना का क्रम आज दिन भी चलेगा। संभावना जताई गई कि रात्रि 8.30 तक यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। गणेशोत्सव को लेकर पहले ही पुलिस के द्वारा उत्सव के आयोजकों के साथ बैठक संपन्न की जा चुकी है और उन्हें सभी जरूरी बिंदुओं की जानकारी दी गई है। सभी को कहा गया है कि उन्हें हर हाल में नियम पालन करना ही होगा। किसी भी स्थान पर अधिक डेसिबल में गीत-संगीत का उपयोग होने पर एक्शन होगा। आयोजन स्थल पर होने वाले कार्यक्रम से लेकर विसर्जन के दौरान भी ऐसे नियम बनाए गए हैं। सड़कों पर अवरोध उत्पन्न होने की स्थिति में डीजे संचालक व समितियों पर एक्शन होगा।

मिठाई, फल-फूल और सजावटी सामान की मांग बढ़ी

गणेशोत्सव पर्व ने कोरबा नगर और जिले में बाजार को नई संभावनाओं से भर दिया है। उत्सव को लेकर विभिन्न प्रकार की मिठाईयों, फल-फूल और सजावटी सामान की बिक्री में काफी तेजी आई है। हर बार की तरह इस वर्ष भी मांग की बढ़ोत्तरी को रिकार्ड किया गया। आस्थावानों के भरोसे चलने वाली ऐसी दुकानों के संचालकों ने उपयोग की चीजों की कई वेरायटी उपलबध कराई है ताकि मांग को पूरा किया जा सके। बाजार पर नजर रखने वाले जानकारों का कहना है कि उत्सव और पर्व की बड़ी भूमिका बाजार को मजबूत बनाए रखने में हमेशा से होती रही है और ये वह माध्यम है जो विभिन्न प्रकार के व्यवसायियों की रीढ़ को मजबूती देते हैं।

लोनर के हमले में पांचवीं मौत

निंदाई-गुड़ाई के लिए खेत जा रही कोरवा महिला को कुचल कर मारा

कोरबा। जिले में हिंसक हुए हाथी के हमले में आज पांचवी मौत हो गई। बालकोवन परिक्षेत्र के बाघमाड़ा में तड़के निदाईगोडा़ई के लिए जा रही पहाड़ी कोरवा महिला को लोनर हाथी ने कुचल कर मार डाला घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंच कर दस्तावेजी कार्रवाई में जुट गए है। मृतका के परिजनों को विभाग द्वारा तत्कालिक सहायता राशि रूपए 25 हजार उपलब्ध करा दी गई है।

जानकारी के अनुसार लोनर हाथी द्वारा हमला किए जाने की घटना आज सुबह 4 बजे के लगभग घटित हुई जिसमें हलाई बाई 75 वर्ष नामक पहाड़ी कोरवा महिला की मौत हो गई बताया जाता है कि अपने पति से अलग गांव से 500 मीटर दूर पहाड़ पर एक कच्चा मकान बनाकर अकेले रहती थी। आज सुबह वह उठकर निदाई गोड़ाई के लिए जंगल के रास्ते खेतो में जा रही थी तभी उसका सामना अचानक पहुंचे लोनर हाथी से हो गया वृद्धा को सामने देख लोनर ने उसपर हमला करने के साथ अपने सूड से उठाकर पटक दिया और पैरों तले कुचल दिया जिससे महिला की मौत हो गई। इसकी सूचना ग्रामीणों द्वारा दिए जाने पर एसडभ्ओ आशिष खेलवार व बालकों रेंजर जयंत सरकार के नेतृत्व में वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचे और शव का पंचनामा कराने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजवाया वहीं मृतका के परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए तत्कालिक सहायता राशि उपलब्ध करा दी गई है। एसडीओ आशिष खेलवार ने बताया कि लोनर हाथी काफी हिंसक हो गया है। वह प्रतिदिन 40 से 50 किलोमीटर चल रहा है। अत: इसके कही भी जाने की संभावना है। इसे दखते हुए वन विभाग की टीम को सर्तक रहने को कहा गया है। लोनर की निगरानी के लिए टीम बनाई गई है। जो लगातार नजर रखने के साथ आसपास के गांव में मुनादी कराने के काम में जुटे हुए है। बीती रात भी विभाग की टीम सतरेंगा, गढ़उपरोड़ा व अजगर बहार क्षेत्र में मौजूद थी। ग्रामीणों को लगातार सर्तक करने के काम में जुटी हुई थी। बावजूद इसके लोनर माखुर पानी के निकट बाघमारा पहुंच गया और घटना को अंजाम दे दिया।

इस घटना के बाद ग्रामीणों में भय का वातावरण है। लोनर ने इस घटना से पहले क्षेत्र में दो मवेशियों को भी मार डाला है। हाथी के द्वारा हिसंक रूप धारण कर लेने से वन विभाग की चिंता बढ़ गई है। अब उसके सामने यह चुनौती भी है कि लोनर अब और इस तरह की घटना को अंजाम न देने पाए इसके लिए रणनीति बनाई जा रही है। लोनर द्वारा किए गए हमले में मानव के मौत का यह पांचवा मामला है। इससे पहले रलिया, खैरभावना व पाली - चैतमा क्षेत्र में 4 लोगों की जान इस लोनर हाथी लेचुकी है। जिसमें तीन महिला शामिल है। जिन्हें एक ही दिन में मार डाला था। जबकि दो दिन पूर्व चैतमा रेंज में एक वृद्ध की जान ले ली थी। आज हमले में चौथी महिला की मौत हो गई है। ज्ञात रहें लोनर हाथी डेढ़ माह पूर्व धरमजयंगढ़ क्षेत्र से जिले में आया था। दो दिनों तक कुदमुरा जंगल में विचरण करने के बाद करतला के लबेद पहुंच गया था। जहां 20-25 दिनों तक डेरा डालने के बाद जांजगीर चांपा जिले के छाता जंगल पहुंच गया । वहां तकरीबन 15 दिनों तक छिपने के बाद जंगल से निकला और बलौदा सीपत होते हुए बिलासपुर जिले के सोठी गांव पहुंचने के बाद जंगल के रास्ते पाली वन क्षेत्र में दाखिल हुआ और चौतमा , एतमा नगर होते हुए शुक्रवार को सुबह बालको वन परिक्षेत्र स्थित कछार पहाड़ के जंगल में पहुंचा और दिन भर जंगल में रहने के बाद बीति रात 12 बजे के लगभग माखुर पानी व बाघमाड़ा क्षेत्र पहुंच गया । वर्तमान में लोनर इसी क्षेत्र में विचरण कर रहा है।

निर्बाध आवागमन में बाधा पहियों में लगाया लॉक

कोरबा। औद्योगिक शहर में आवागमन को बेहतर करने के लिए कोशिश जारी है। मुख्य मार्गों पर निर्बाध आवागमन में समस्याएं पैदा करने वाले वाहनों पर लॉक लगाने के साथ पेनाल्टी वसूल करने की कार्रवाई जारी है। इसके अलावा वाहन चालकों व जन सामान्य को आवागमन नियमों की जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है।

विभागीय अधिकारियों के मार्गदर्शन में ट्रैफिक की टीम इस काम में लगी हुई है। कोरबा शहर के व्यस्त क्षेत्रों में कई प्वाइंट फिक्स किए गए हैं जहां पर अलग-अलग टीमों को लगाया गया है। त्योहार का सीजन शुरू होने के साथ मुख्य सड़कों पर आवागमन का दबाव बढ़ रहा है। इस चक्कर में लोग कहीं भी मनमाने तरीके से गाड़ियां पार्क कर दे रहे हैं। ऐसी गाड़ियों पर लॉक की कार्रवाई ट्रैफिक पुलिस कर रही है। पुलिस ने बताया कि कुछ इलाकों में दुकानदारों के द्वारा अपने यहां का काफी सामान सड़क तक फैलाया जा रहा है। इस कारण से भी आवागमन बाधित हो रहा है। पूर्व में ऐसे लोगों को समझाईश दी गई है लेकिन अब मनमानी के नजारे दिखाई देने पर सामान को जब्त करने सहित पेनाल्टी की कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई को अब से लेकर दुर्गा पूजा, दीपावली और देवउठनी एकादशी तक जारी रखा जाएगा।

भगत सिंह कालोनी में दवा छिड़काव कराने दबाव बनाया

कोरबा। एसईसीएल भगत सिंह कालोनी के अलावा अन्य कालोनियों में प्रतिदिन फॉगिंग मशीन से धुएं छोड़े जा रहे हैं लेकिन कोयला कामगार इसे पर्याप्त नहीं मानते हैं। इनका कहना है कि नाले की सफाई के अलावा दवा का छिड़काव भी जरूरी है ताकि मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को रोका जा सके। जेसीसी सदस्य के अलावा वेलफेयर कमेटी के सदस्य लगातार अधिकारियों से मुलाकात कर रहे हैं। इस संबंध में उनका कहना है कि बरसात के मौसम में मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है और कोयला कामगार बीमार पड़ रहे हैं। मानिकपुर कालोनी में वेलफेयर कमेटी के सदस्यों के कहने पर नालियों की साफ-सफाई करते हुए दवा का छिड़काव कराया गया है। यहां पर अब तक दो बार दवा का छिड़काव हो चुका है।

कोरबा क्षेत्र की जनता को परेशान करने कई ट्रेनें बंद की, अब अजीब तर्क दे रहा रेलवे

सुविधा छीन सकते हैं पर दे नहीं सकते

कोरबा। प्रतिवर्ष 2000 करोड़ का राजस्व देने वाले कोरबा की उपेक्षा रेल सुविधा देने के मामले में काफी समय से की जा रही है। कोविड के समय से कई गाड़ियां अलग-अलग कारण बताकर बंद कर दी गई है जो कोरबा और गेवरारोड से चला करती थीं। इसके चक्कर में यात्री परेशान हैं। इधर रेलवे अधिकारी लिखित रूप से बता रहे हैं कि रेलगाड़ियां बंद करना जोन का अधिकार है लेकिन नई गाड़ियों का विस्तार और प्रचालन से जुड़ा विषय रेल मंत्रालय का है। इस बारे में हम कुछ नहीं कर सकते।

उपमुख्य परिचालन प्रबंधक (यात्री एवं फाइन) एसईसीआर बिलासपुर के द्वारा एक पत्र के माध्यम से चेम्बर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष व रेल संघर्ष समिति के संयोजक रामकिशन अग्रवाल को दी गई है। उन्होंने पत्र के माध्यम से कोरबा में रेल सुविधाओं को लेकर जानकारी चाही थी। कोरबा से बीकानेर ट्रेन संचालन को लेकर बताया गया कि यात्रियों के आवागमन के लिए बिलासपुर से बीकानेर के मध्य 4 गाड़ियां और बिलासपुर-कोरबा के मध्य 10 गाड़ियां सीधी प्रदान कर रही है। कोरबा के यात्रियों को बीकानेर आवागमन के लिए बिलासपुर से कनेक्टीविटी उपलब्ध है। बीकानेर स्टेशन दूसरे जोन के क्षेत्र में है इसलिए वहां से जुड़ी सुविधा पर हम कुछ नहीं कर सकते। रेलवे ने यह भी बताया कि कोरबा-राउरकेला के बीच इंटरसिटी एक्सप्रेस का संचालन करना नीतिगत विषय है जो रेल मंत्रालय के अधीन है। यात्रियों के आवागमन के लिए राउरकेला-चांपा के मध्य 32 गाड़ियां उपलब्ध हैं। चेम्बर ने मांग रखी थी कि 17481, 17482 तिरूपति-बिलासपुर को कोरबा तक बढ़ाया जाए, जिस पर रेलवे का कहना है कि कोरबा में प्लेटफार्म और स्टेबलिंग लाइन की कमी है इसलिए विस्तार असंभव है। छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का गेवरारोड तक विस्तार करने से भी रेलवे ने यह कहकर इंकार कर दिया कि उसका मेंटेनेंस बिलासपुर में होता है इसलिए यह सब नहीं हो सकेगा। चेम्बर ने कोरबा से गेवरारोड के बीच सभी यात्री ट्रेनों को रद्द कर देने और इस वजह से यात्रियों को परेशानी होने की जानकारी दी जिस पर कहा गया कि संरक्षा से जुड़े कार्यों के लिए कोरबा से कई गाड़ियों को रद्द कर दिया गया है। यह जोन का अधिकार है और ऐसा आगे भी होता रहेगा।

तीन जस्टिस कोरबा प्रवास पर

कोरबा। सुप्रीम कोर्ट के एक और हाईकोर्ट के दो जस्टिस आज जिले के प्रवास पर पहुंच रहे हैं। वे हसदेव बांगो परियोजना बुका आईलैंड सहित आसपास के कुछ इलाकों का भ्रमण करेंगे। कटघोरा टीआई धर्मनारायण तिवारी ने बताया कि प्रवास को देखते हुए पुलिस प्रोटोकॉल मेंटेन करने में लगा हुआ है। अन्य संबंधितों को भी इस काम में शामिल किया गया है।

नो एंट्री लागू करने की मांग

कोरबा। सीपीआई ने आवागमन में हो रही समस्या को देखते हुए बालकोनगर के परसाभाठा मुख्य मार्ग से लेकर रिंग रोड पर नो एंट्री लागू करने की मांग की है। कहा गया है कि सुबह से शाम तक इस रास्ते को नो ट्रैफिक जोन बनाया जाए। इसके साथ ही सड़क का सुधार भी कराया जाए। पार्टी ने इस मुद्दे को लेकर प्रदर्शन भी किया।

सेंट्रल वर्किंग कमेटी की बैठक कल

कोरबा। एसईकेएमसी की सेंट्रल वर्किंग कमेटी की बैठक कल कॉफी हाउस में आयोजित की गई है। जिसमें केंद्रीय महामंत्री प्रीतम पाठक, वेलफेयर कमेटी सदस्य संपत शुक्ला व सेफ्टी कमेटी सदस्य कमलेश शर्मा शामिल होंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए केंद्रीय अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह ने बताया कि कल होने वाली बैठक में सेंट्रल कमेटी के अलावा सभी एरिया के अधिकारी भी शामिल होंगे। बैठक में सदस्यता अभियान के बाद किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की जाएगी। एरिया में कार्यकारिणी को संतुलित करने व नए चेहरों को लेने के लिए भी विचार-विमर्श किया जाएगा। कई ऐसे एरिया हैं जहां पर पद लेने के बाद कार्यकर्ता काम नहीं कर रहे हैं और दूर से आने का बहाना बनाकर अपने-अपने घर चल देते हैं। ऐसे एरिया को चिन्हांकित किया गया है। वैसे सभी एरिया में सदस्य संख्या में इजाफा हुआ है लेकिन निष्क्रिय पदाधिकारियों को हटाने के लिए चर्चा हो सकती है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उपाध्यक्ष संदीप चौधरी, कार्यवाहक अध्यक्ष किशोर सिन्हा, ए.के.अंसारी आदि जुटे हुए हैं।

संतान को अच्छे संस्कार देने के लिए भगवान के नाम पर करें नामकरण, कथा में बोले आचार्य मृदुलकांत

कोरबा। आशीर्वाद प्वाइंट, पंडित दीनदयाल सांस्कृतिक भवन टीपीनगर कोरबा में पितृ मोक्षार्थ गया श्राद्ध निमित्त कबुलपुरिया परिवार द्वारा कराया जा रहा श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह महोत्सव के आज तृतीय दिवस भागवत भूषण आचार्यश्री मृदुलकांत शास्त्री महाराज ने नाम की महिमा का बखान किया और कहा कि यदि हम अनजाने में ही नारायण का नाम लेते हैं तो भगवान भाव के भूखे होते हैं और चले आते हैं। कलयुग में नारायण के नाम की महिमा अपरंपार है। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि अपनी संतानों का नाम भगवान के नाम पर रखें, नाम में भी संस्कार छुपा होता है। उन्होंने कई प्रहसन के माध्यम से नाम की महिमा का बखान किया और कहा कि एक बार किसी घर में चोर घूस गया और बूढ़ी मां चिल्लाने लगी- नारायण-नारायण। बेटा नारायण तो नहीं आया, लेकिन शोरगुल सुनकर पड़ोस के कई लोग आये और चोर भाग गया। नारायण किसी न किसी रूप में अपने भक्तों की मदद अवश्य करते हैं। उन्होंने और कई प्रहसनों के माध्यम से नारायण की महिमा का महत्व समझाया।

श्री अजामिल उपाख्यान और नरसिंह अवतार पर डाला प्रकाश

आचार्यश्री मृदुलकांत शास्त्री ने श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिन श्री अजामिल (ब्रम्ह तत्व से मिलन) और भगवान नरसिंह अवतार का विस्तार से वर्णन किया और कहा कि मनुष्य के जीवन को धन्य बनाने के लिए भक्ति जरूरी है। भागवत पुराण में श्रीअजामिल का वर्णन आता है। आचार्यश्री ने कहा कि भगवान के दिव्य नामों के उच्चारण से ही पापियों के भी पाप करने की प्रवृत्ति से छुटकारा मिल जाता है। उन्होंने भगवान श्री नरसिंह के पूण्य प्रताप का भी बड़े मार्मिक ढंग से प्रहसनों के माध्यम से वर्णन किया और कहा कि जब-जब धरती पर अत्याचार बढ़ता है, तब-तब भगवान कई रूपों में अवतार लेते हैं। भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए भगवान नारायण ने नरसिंह का अवतार लिया और हिरण्यकश्यपु का वध कर पूरी दुनिया को संदेश दिया कि अत्याचार का नाश अवश्य ही होता है। भगवान अपने भक्तों की रक्षा हर हाल में करते ही हैं।

नरसिंह अवतार की झांकी ने सबका मन मोहा

कथा स्थल पर आज तृतीय दिन भगवान नरसिंह अवतार का वर्णन किया गया, साथ ही भगवान नरसिंह अवतार की भव्य झांकी ने सबका मन मोह लिया। किस तरह हिरण्यकश्यपु का वध करते हुए भक्त प्रहलाद और ध्रुव को गोद में बिठाकर उनकी सुरक्षा की और सभी युग में इन्हें अजर-अमर कर दिया। भगवान का नाम लेने से ही मनुष्य का जीवन भवतारिणी पार कर लेता है और स्वर्ग में स्थान मिलता है।

आज वामन अवतार, श्रीराम चरित्र, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिन 07 सितंबर को आचार्यश्री मृदुलकांत शास्त्री महाराज द्वारा वामन अवतार, श्रीराम चरित्र, श्रीकृष्ण जन्म एवं नंदोत्सव के बारे में संगीतमय प्रवचन देंगे।

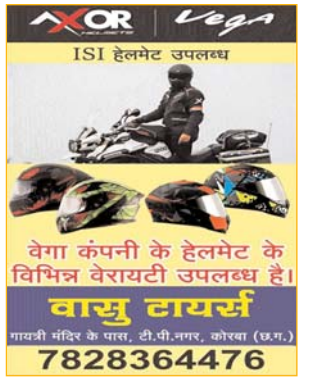

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com